■ आषाढ़ शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 333 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 03-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

आध्यात्मिक यात्रा की ओर प्रस्थान करें

जहां पावन हिमालय की गोद में है दिव्य स्नेह की अनुभूति

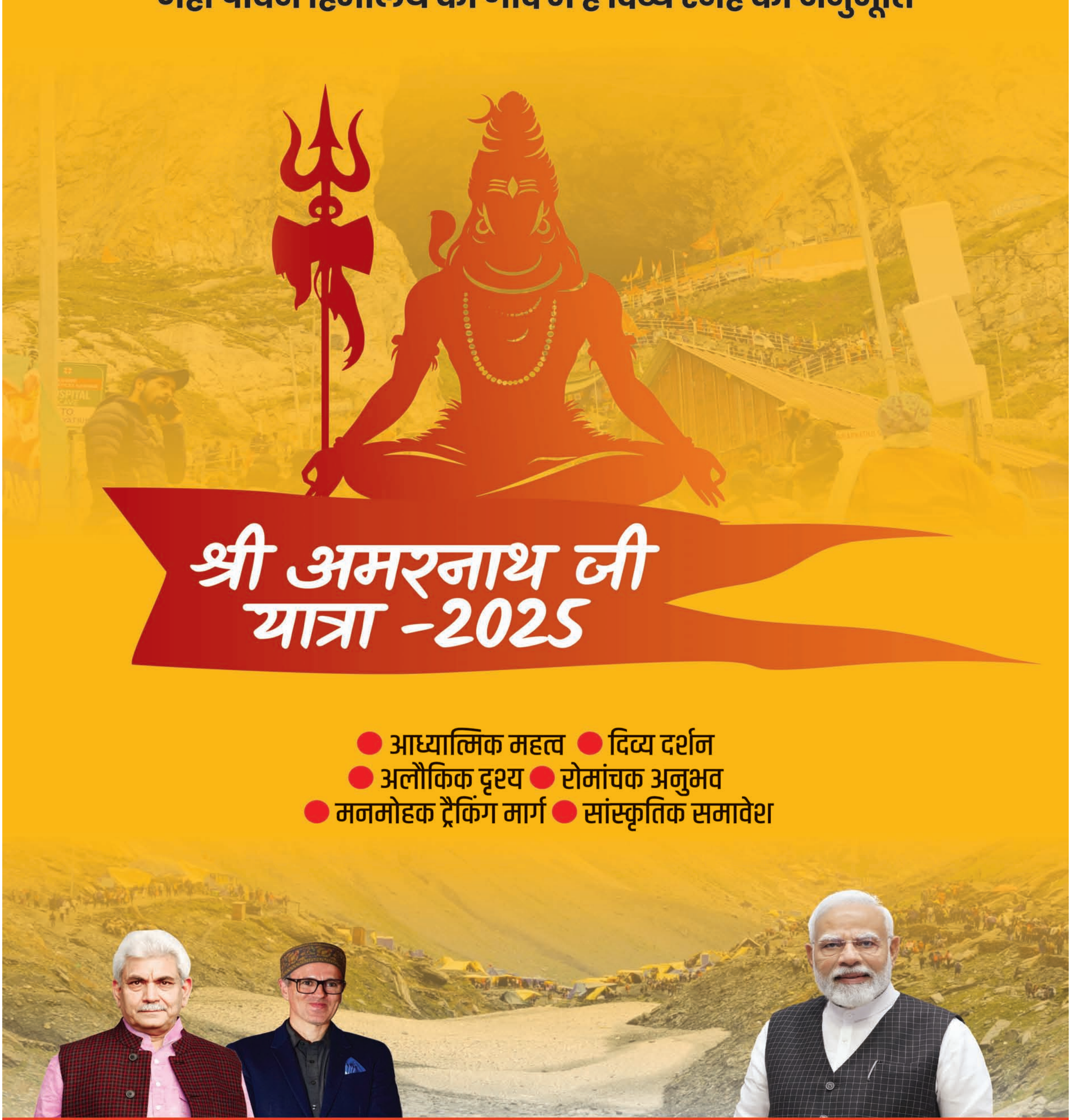

श्री अमरनाथ जी यात्रा -2025

- आध्यात्मिक महत्व
- दिव्य दर्शन
- अलौकिक दृश्य
- रोमांचक अनुभव
- मनमोहक ट्रैकिंग मार्ग
- सांस्कृतिक समावेश

एसएएसबी वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जम्मू व कश्मीर सरकार

@informationprjk Information & PR, J&K @diprjk @dipr_jk

बाबसाहेब अंबेडकर का अपमान छोटी भूल नहीं: सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर का 'अपमान' किया जाना 'कोई छोटी गलती' नहीं है और यह 'दलितों के प्रति अनादर की मानसिकता' को दर्शाता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यह टिप्पणी पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में की। यह बैठक बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आयोजित की जा रही है। सिंह ने कहा, ''लालू प्रसाद ने अपने पैरों के पास बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीर रखवाई थी। यह कोई छोटी गलती नहीं थी, बल्कि (यह) दलितों के प्रति अनादर की मानसिकता को दर्शाती है... बिहार को उन लोगों ने धोखा दिया है, जो समाजवाद की आड़ में अपने सामंती रवैये को छिपाते रहे हैं।''

पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद उस वीडियो क्लिप को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं, जिसमें अंबेडकर की तस्वीर उनके पैरों के पास देखी गई थी। यह उस दिन की घटना है जब लोग राजद प्रमुख को 78वें जन्मदिन पर बधाई देने उनके आवास पर आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले

महीने सीवान जिले में एक रैली में राजद सुप्रीमो पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें ''बिहार और देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे''। हालांकि राजद ने स्पष्टीकरण दिया था कि तस्वीर एक समर्थक के हाथ में थी और भ्रम की स्थिति के लिए 'कैमरे के कोण' को जिम्मेदार ठहराया था। रक्षा मंत्री ने दावा किया, ''मैं इसे मुद्दा नहीं बना रहा हूं, (बल्कि) इसका उल्लेख वरिष्ठ पत्रकार संकर्षण ठाकुर ने अपनी पुस्तक 'ब्रदर्स बिहारी' में विस्तार से किया है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''जब लालू प्रसाद सत्ता में थे, तो उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की याद में कुछ भी करने की जहमत नहीं उठाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के इस महान सपूत को भारत रत्न से सम्मानित किया।''

भाजपा नेता ने कहा, ''हम अतीत के बारे में बात करते रहते हैं ताकि युवा पीढ़ी राजद-कांग्रेस गठबंधन की बकवास बातों में न फंस जाए। उन्हें (युवाओं को) यह बताने की जरूरत है कि कैसे लालटेन (राजद का चुनाव चिह्न) ने अंधेरे को दूर करने के बजाय घरों में आग लगा दी।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले कुछ दशकों में जब भी राज्य में जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार रही, तब बिहार ने ''अभूतपूर्व सफलता'' हासिल की है।

सिंह ने कहा, ''इस अवधि में न केवल आर्थिक विकास हुआ, बल्कि बिहार ने अपना खोया हुआ गौरव भी हासिल करना शुरू कर दिया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट' ने कभी बिहार को भारत का अभिशाप कहा था, लेकिन बाद में इसकी (राज्य की) बदलाव की कहानी पर ध्यान देना पड़ा।''

अरुणाचल प्रदेश भारत का सबसे बड़ा 'कार्बन सिंक' : खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को दावा किया कि उनके राज्य को भारत का सबसे बड़ा 'कार्बन सिंक' होने का गौरव हासिल है। 'कार्बन सिंक' का अभिप्राय ऐसी चीज से है जो वायुमंडल से जितना कार्बन छोड़ती है उससे कहीं ज्यादा अवशोषित करती है।

खांडू ने कहा कि अरुणाचल एक पारिस्थितिक महाशक्ति है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और देश को शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। खांडू ने अपने प्रशासन के 'पेमा 3.0- सुधार और विकास का वर्ष' अभियान के तहत एक सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात पर प्रकाश डाला कि अरुणाचल प्रदेश भारत के कुल कार्बन अवशोषण में उल्लेखनीय 14.38 फीसदी का योगदान देता है। उन्होंने दावा किया कि 79 फीसदी वन क्षेत्र के साथ राज्य में मौजूदा समय में 102.1 करोड़ टन 'कार्बन स्टॉक' है, जो देश में सबसे अधिक है।

'कार्बन स्टॉक' से तात्पर्य किसी विशेष पारिस्थितिकी तंत्र में किसी निश्चित समय पर संग्रहित कार्बन की कुल मात्रा से है। खांडू ने राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों में अरुणाचल के व्यापक योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, ''यह समृद्ध 'कार्बन स्टॉक' भारत के लिए 2070 तक अपने शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिहाज से अहम है।'' हालांकि, अरुणाचल प्रदेश का विशाल हरित क्षेत्र इसे शीर्ष 'कार्बन सिंक' बनाता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहे हैं और हकीकत का रूप लेते जा रहे हैं जिसके कारण ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। खांडू ने कहा, ''हिमालय की गोद में स्थित अरुणाचल प्रदेश 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।''

नौकरी में आरक्षण: मुख्यमंत्री ने कहा, नगालैंड सरकार नीति की समीक्षा के लिए समिति बनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार नौकरी में आरक्षण की मौजूदा नीति की समीक्षा के लिए एक आयोग के गठन की तैयार कर रही है। उन्होंने लोगों से इस मुद्दे को लेकर धैर्य रखने का आग्रह किया।

कोहिमा में एक औपचारिक समारोह से इतर पत्रकारों से बात करते हुए रियो ने कहा कि आयोग का कार्य बहुत विस्तृत है और इसका निष्कर्ष तत्काल नहीं आ सकता। उन्होंने जोर दिया प्रशासन, आरक्षण या परिसीमन के संबंध में कोई भी सुधार जनगणना के बाद ही किया जाना चाहिए। जनगणना के 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। रियो ने कहा, ''हम अस्थायी व्यवस्था नहीं करना चाहते हैं। पूरे राज्य को गहन समीक्षा की प्रक्रिया से गुजरना होगा।'' मुख्यमंत्री ने मौजूदा प्रणाली में कुछ खामियों को स्वीकार किया और उन्हें व्यापक एवं निर्णायक रूप से दूर करने के लिए कदम उठाए जाने का भरोसा दिलाया। कोहिमा में 5 जनजातियों की आरक्षण नीति संशोधन समिति (सीओआरआरपी) की नागरिक

समाज संगठनों (सीएसओ) और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को प्रस्तावित आयोग से बाहर रखने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए रियो ने कहा, ''सरकार इस पर विचार करेगी। हमें इंतजार करना होगा।'' अंगामी, एओ, लोथा, रेंगमा और सेमा जनजातियों के प्रतिनिधियों वाली सीओआरआरपी ने आरक्षण नीति की समीक्षा के लिए आयोग बनाने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले के बावजूद सरकार की कथित निष्क्रियता पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। घोषणा का स्वागत करते हुए समिति ने या तो मौजूदा आरक्षण नीति को खत्म करने या फिर अनारक्षित कोटा पांचों जनजातियों को आवंटित करने की अपनी दोनों प्रमुख मांगें दोहराईं। सीओआरआरपी ने एक बयान में सरकार के साथ तीन जून को हुई बैठक के बाद कोई प्रगति न होने की आलोचना की। उसने कहा, ''हमारी प्रमुख मांगों पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है, न ही कोई आधिकारिक संचार प्राप्त हुआ है।''

उप्र एसटीएफ ने अंतरराज्यीय ऑक्सीटोसिन गिरोह का भंडाफोड़ किया

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की अवैध तस्करी और आपूर्ति में कथित रूप से शामिल एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन संदिग्ध सदस्यों को बुधवार को गिरफ्तार किया। एसटीएफ के अनुसार इस ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का कथित तौर पर इस्तेमाल दुधारू मवेशियों और सब्जियों में किया जाता था।

एसटीएफ ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र में बुद्धेश्वर क्रॉसिंग के पास मोहन रोड पर एक मकान पर छापेमारी के दौरान लगभग 5,87,880 मिलीलीटर ऑक्सीटोसिन जब्त किया, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपए है। एसटीएफ ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान लखनऊ निवासी अनमोल पाल, अवधेश पाल और पास के सीतापुर जिले के खगेश्वर के रूप में हुई है। बरामद सामग्री में ऑक्सीटोसिन का स्टॉक, 12,000 रु. नकद, 800 खाली शीशियां, रबर और एल्युमीनियम के ढक्कन, प्लास्टिक की कीप, पाइप, नमक के पैकेट और एक ट्रांसपोर्ट वाहन शामिल है।

भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहा : डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख सारस्वत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर(झारखंड)/भाषा। नीति आयोग के सदस्य और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व प्रमुख वी. के. सारस्वत ने बुधवार को कहा कि भारत अपने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहा है।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला की पांचवीं प्लेटिनम जुबली व्याख्यान में भाग लेने के लिए इस्पात नगरी आए सारस्वत ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों का 70 प्रतिशत आयात करता था। डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख सारस्वत ने कहा, ''अब प्रवृत्ति उलट गई है और हम अपनी जरूरतों का 70 प्रतिशत उत्पादन स्वदेश में करते हैं।'' उन्होंने कहा कि एस-400 वायु रक्षा प्रणाली जैसे कुछ सैन्य साजोसामान को छोड़कर, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किए गए अधिकांश हथियार और मिसाइलें - जैसे आकाश और

ब्रह्मोस - स्वदेश निर्मित थे। उन्होंने कहा, ''आज, देश सशस्त्र बलों की तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए, या जहां हमारे पास प्रौद्योगिकी नहीं है, हथियारों के आयात पर निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में रक्षा उत्पादन में देश की आत्मनिर्भरता काफी बढ़ी है क्योंकि केंद्र निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दे रहा है। सारस्वत ने कहा कि वे वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों से प्रसन्न हैं। सरकार ने निजी क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

बर्खास्त 'पात्र' अध्यापकों ने पुन: परीक्षा के विरूद्ध निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल में अपनी नौकरी गंवा चुके 2016 के पैनल के 'पात्र' स्कूली अध्यापकों के एक समूह ने बुधवार को न्याय, पारदर्शिता तथा पुन: परीक्षा से छूट की मांग करते हुए यहां एक रैली निकाली।

प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने कहा कि यहां करुणामयी से साल्ट लेक स्थित पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन तक निकाली गयी यह रैली 'भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए राज्य प्रायोजित साजिश' के खिलाफ विभिन्न विरोध प्रदर्शनों में से एक है।

विकास भवन के पास प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वे पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और राज्य सरकार की मिलीजुली 'गहरी और गंदी साजिश' के शिकार हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक वैध चयन प्रक्रिया के माध्यम से अपनी नौकरी हासिल की थी और जांच में वे किसी भी भ्रष्टाचार घोटाले में शामिल नहीं पाये गये। विकास भवन के पास भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किये गये थे।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ''हम परीक्षा में बैठने से नहीं डरते। लेकिन जब हम दागी नहीं हैं, तो हम क्यों परीक्षा में बैठें?''

प्रदर्शनकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि मुद्दा फिर से योग्यता साबित करने का नहीं बल्कि उनकी गरिमा और अधिकारों को बहाल करने का है। आंदोलनकारी शिक्षकों ने पारदर्शिता के लिए अपनी ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की 'प्रतिच्छाया प्रति' तत्काल जारी करने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने उन पात्र उम्मीदवारों की एक व्यापक सूची प्रकाशित करने की भी मांग की, जिनके नाम किसी भी सीबीआई रिपोर्ट या भ्रष्टाचार से संबंधित निष्कर्षों में नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रम को रोकने और वैध रूप से भर्ती हासिल करने वालों की गरिमा को बनाये रखने के लिए पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की सूची अलग-अलग प्रकाशित की जाएं।

उन्होंने दावा किया कि एसएससी और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये गये 15,203 बेदाग शिक्षकों की सूची जारी की जाए ताकि उन्हें बिना पुनर्परीक्षा प्रक्रिया के अपनी नौकरी वापस मिले।

भारतीय के मुख्य फुटबॉल कोच मारक्वेज ने एआईएफएफ के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय टीम के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद आलोचनाओं का सामना कर रहे भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ 'आपसी सहमति' पर पहुंचने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने यहां बैठक में मारक्वेज को पदमुक्त करने पर सहमति जताई क्योंकि उन्होंने अपने अनुबंध में एक साल बाकी रहने के बावजूद ऐसा करने की इच्छा जताई थी। एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने बताया, ''एआईएफएफ और मनोलो ने दोनों पक्षों पर कोई वित्तीय प्रभाव डाले बिना आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। इसलिए उन्हें भारत के कोच के पद से मुक्त कर दिया गया है।

तेजस्वी बिहार चुनाव को ध्यान में रखकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं : पाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने बुधवार को कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव की ''संशोधित वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंकने'' की टिप्पणी बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने का एक प्रयास है। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पाल ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, ''तेजस्वी और ओवैसी के बीच प्रतिस्पर्धा है। वे मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में देखते हैं।''

तेजस्वी ने कहा था कि अगर बिहार में उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह संशोधित वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक

देगी। पाल ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी इस कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि देश भर के गरीब और पसमांदा मुसलमान इसका समर्थन कर रहे हैं। पसमांदा एक व्यापक शब्द है जिसमें पिछड़े, दलित और आदिवासी मुसलमान शामिल हैं। पाल ने कहा कि इस अधिनियम का उद्देश्य जरूरतमंद मुसलमानों के लाभ के लिए वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन करना है। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर लोगों की भावनाओं से खेलने का आरोप लगाया और उन्हें चुनौती दी कि वे कानून में ऐसा कोई प्रावधान बताएं जिसमें मुसलमानों से वक्फ की जमीन लेकर दूसरों को देने का प्रावधान हो। तेजस्वी के 'कूड़ेदान' वाले बयान पर पाल ने कहा कि राजद नेता उन लोगों का समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने अवैध रूप से वक्फ की जमीन हड़पी है।

भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सच्चर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू कर रही है, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि वक्फ संपत्तियों से सालाना 12,000 करोड़ रुपए की आय हो सकती है।

बुमराह को बाहर बैठाने के भारत के फैसले से शास्त्री स्तब्ध

बर्मिंघम/भाषा। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पूरी तरह से फिट जसप्रीत बुमराह को आराम देने के भारत के फैसले पर हैरानी जताई और कहा कि इस तेज गेंदबाज को एक महत्वपूर्ण मैच से बाहर बैठने का विकल्प नहीं दिया जाना चाहिए था।

पिछले साल अक्टूबर से टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहा भारत अपने पिछले नौ मैच में से सिर्फ एक जीत हासिल कर पाया है जो एक दशक से भी अधिक समय में उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में पांच विकेट से हार गई थी। शास्त्री ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, ''अगर आप भारत के प्रदर्शन को देखें तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण टेस्ट मैच है। आपने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच गंवाए, आपने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन मैच गंवाए।'' उन्होंने कहा, ''आप यहां पहला टेस्ट मैच हार गए और आप जीत की राह पर वापस लौटना चाहते हैं। आपके पास दुनिया का सबसे अच्छा तेज गेंदबाज है और आप उसे सात दिन के ब्रेक के बाद बाहर बैठाते हैं, इस पर यकीन करना बहुत मुश्किल है।'' बुमराह ने लीड्स में पहले टेस्ट की पहली पारी में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए थे। बुधवार को टॉस के बाद गिल ने इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज माइकल आथर्टन से कहा कि बुमराह के गेंदबाजी को बोझ का प्रबंधन करने के लिए उन्हें आराम दिया गया है।

भाजपा नेता की हत्या मामले में सीबीआई के आरोपपत्र में तृणमूल विधायक, दो पार्षदों के नाम

भाजपा नेता की हत्या मामले में सीबीआई के आरोपपत्र में तृणमूल विधायक, दो पार्षदों के नाम

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021 में पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के दौरान भाजपा नेता अविजित सरकार की हत्या के संबंध में आपराधिक साजिश और हत्या के लिए तृणमूल कांग्रेस विधायक परेश पॉल और पार्षदों - स्वप्न समद्दार और पापिया घोष के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोमवार को सियालदह के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दाखिल अपने दूसरे पूरक आरोपपत्र में सीबीआई ने मामले के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत 15 अन्य लोगों को भी नामजद किया है। सीबीआई के आरोपपत्र के बाद पॉल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। प. बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद दो मई 2021 को कंकुरगाछी इलाके में अविजित सरकार की हत्या कर दी गई थी। सीबीआई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर पश्चिम बंगाल पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली थी।

ओडिशा समेत तीन राज्यों में आतंक मचाने वाली बाघिन जीनत गर्भवती है : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान से निकलकर ओडिशा समेत पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्यों में भटकने वाली बाघिन जीनत के गर्भवती होने की संभावना है। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बाघिन जीनत तीन राज्यों में भटकती रही और 23 दिनों के बाद पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले से उसे पकड़ लिया गया, जहां से उसे वापस सिमिलिपाल लाया गया। बाघिन को सिमिलिपाल में एक जनवरी को एक बाड़े में रखा गया, जहां उस पर कई सप्ताह तक नजर रखी गई। अधिकारी ने बताया, ''बाड़े में रहने के दौरान वह स्वस्थ और तंदुरुस्त पाई गई और 17 अप्रैल को जीनत को जंगल में छोड़ दिया गया।'' अधिकारी ने बताया, ''बड़े बाड़े में रहने के दौरान भी जीनत जंगली नर बाघ टी12 के प्रति आकर्षित हुई। इस अवसर का लाभ उठाते हुए बाघिन को बाड़े से बाहर निकाल दिया गया। मई महीने के दूसरे सप्ताह में टी 12 बाघ के साथ उसके संसर्ग को थर्मल कैमरे में रिकार्ड कर लिया गया जो जमुना चारागाह में लगाए गए थे।'' जंगल में छोड़े जाने के बाद से जीनत अभ्यारण्य के मुख्य क्षेत्र में घूम रही है और चीतल, सांभर तथा जंगली सूअर का शिकार कर रही है। उन्होंने कहा, ''बाघिन पर 'ट्रैकिंग टीम' द्वारा 24 घंटे नजर रखी जा रही है। प्रत्येक टीम में चार लोग शामिल हैं और सैटेलाइट आधारित जीपीएस का उपयोग करके भी इसकी निगरानी की जा रही है।'' उन्होंने बताया, '' उसने संसर्ग बंद कर दिया है और खुद को एकांत में समेट लिया है जो गर्भवती होने का प्रमुख संकेत है।''

क्लासिकल शतरंज की तैयारी के लिए बहुत अधिक प्रयास की जरूरत होती है : प्रज्ञानानंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी धीरे धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर हो रहे हैं जिसका कारण मानसिक और शारीरिक थकावट है जो लंबे समय तक लंबे प्रारूप में खेलने से आती है।

पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन और दुनिया के दूसरे नंबर के अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नाकामुरा ने कम क्लासिकल मैच खेले हैं जबकि इनका ध्यान फ्रीस्टाइल, रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों पर रहा है। इस साल तीन मुख्य क्लासिकल खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंदा का मानना है कि खिलाड़ियों को क्लासिकल शतरंज के लिए लगने वाली घंटों की तैयारी पसंद नहीं है जिससे उन्हें रैपिड और ब्लिट्ज इससे अधिक संतोषजनक लगते हैं।

प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''क्लासिकल शतरंज खेलना मुश्किल है क्योंकि हर कोई इसके लिए अच्छी तरह से तैयार होता है। क्लासिकल शतरंज में शुरुआती हिस्से की तैयारी बहुत अहम होती है। अगर आप इसकी तुलना फ्रीस्टाइल से करें तो आपको इससे पहले तैयारी करने की जरूरत नहीं होती है जबकि क्लासिकल शतरंज में आपको तैयारी के लिए बाध्य होना पड़ता है। '' इस साल टाटा स्टील मास्टर्स, सुपरबेट क्लासिक और उज शतरंज कप जीतने वाले प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई भी यह प्रक्रिया पसंद करता है लेकिन आप मजबूर हैं और आपको हर चीज के लिए एक योजना बनानी होती है। इसके लिए काफी अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है।'' चेन्नई के 19 वर्षीय खिलाड़ी को लगता है कि वर्षों तक क्लासिकल शतरंज खेलने के साथ 'बर्नआउट' (थकान) की संभावना भी बढ़ जाती है। प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''और जब आप बहुत सारे ऐसे टूर्नामेंट खेलते हैं तो आपकी ऊर्जा भी खत्म हो जाती है। आप मानसिक और शारीरिक रूप से भी थक सकते हैं। इसलिए ये सभी चीजें होती हैं। मुझे लगता है कि यही कारण है कि हर कोई अन्य प्रारूपों को पसंद करता है। '' उन्होंने कहा, ''मुझे खुद फ्रीस्टाइल काफी पसंद है क्योंकि इसमें आपको खेल से पहले तैयारी करने की ज़रूरत नहीं होती। इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने खेल पर काम नहीं करना चाहते। हमें शतरंज पर काम करने में मजा आता है। '' प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''लेकिन सच यह है कि आपको तैयारियों में काफी घंटे लगाने पड़ते हैं। आपको तीन-चार घंटे की तैयारी करनी पड़ती है और सभी को यह पसंद नहीं आता।

असम में अवैध मवेशी वध और गोमांस बेचने के आरोप में करीब 200 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम मवेशी संरक्षण अधिनियम के कथित उल्लंघन के सिलसिले में लगभग 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया और राज्य भर में 1.7 टन से अधिक संदिग्ध गोमांस जब्त किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अखिलेश कुमार सिंह के अनुसार, मवेशियों के अवैध वध और रेस्तरां में अनधिकृत रूप से गोमांस बेचने की घटनाओं की जांच के लिए मंगलवार को पूरे असम में अभियान चलाया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अधिनियम के उल्लंघन के खिलाफ अभियान कल शुरू हुआ और हमने अब तक 196 लोगों को गिरफ्तार किया है। हमने राज्य भर में विभिन्न स्थानों से 1,732 किलोग्राम संदिग्ध गोमांस भी जब्त किया है। सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों में पुलिस ने असम के लगभग सभी जिलों में 178 होटलों, रेस्तरां और बूचड़खानों की तलाशी ली है।

▪ आषाढ़ शुक्ल - 8 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 333 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 03-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मैं पांच साल तक कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहूंगा : सिद्दरामय्या

6 आतंकवाद पर भारत को वैश्विक मौन स्वीकार्य नहीं

7 पायल घोष ने बताया श्रीदेवी की कॉस्मेटिक सर्जरी का सच

फर्स्ट टेक

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आहूत किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। रीजीजू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ने 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक संसद का मानसून सत्र आहूत करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था, लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है।

माइक्रोसॉफ्ट हजारों कर्मचारियों की छंटनी करेगी, नोटिस भेजना शुरू

रेडमंड/एपी। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कुछ महीनों के ही भीतर दूसरी बार हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। अमेरिकी कंपनी ने बुधवार से कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने यह नहीं बताया कि वह कितने कर्मचारियों की छंटनी करेगी। लेकिन यह आंकड़ा पिछले साल पहले हुई चार प्रतिशत कटौती से कम होगा।

अमेरिका ने यूक्रेन को कुछ हथियार नहीं भेजने का फैसला किया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका ने अपने हथियारों के भंडार में कमी होने का हवाला देते हुए यूक्रेन को भेजे जाने वाले कुछ हथियारों की खेप की आपूर्ति रोक दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेरिका का हथियारों की आपूर्ति रोकना यूक्रेन के लिए एक झटका है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन ने यूक्रेन को कुछ हथियार देने का वादा किया था ताकि वह रूस के खिलाफ जारी युद्ध में अपनी सुरक्षा कर सके। हथियारों की आपूर्ति पर यह रोक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नई प्राथमिकताओं को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा अमेरिका के हथियार भंडार की समीक्षा किए जाने और इसमें कमी को लेकर चिंता जताए जाने के बाद यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति रोकी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता एना केली ने एक बयान में कहा, ''हमारे देश के सैन्य सहयोग और दुनिया भर के अन्य देशों को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा के बाद अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।'' केली ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर मिसाइल हमले का ट्रंप द्वारा हाल में आदेश दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं की ताकत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

03-07-2025	04-07-2025
सूर्यास्त 6:39 बजे	सूर्योदय 5:47 बजे

BSE	NSE
83,409.69	25,453.40
(-287.60)	(-88.40)

सोना	चांदी
10,014 रु.	119,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुटिल युग

चीत्कार कर रही द्रोपदियां,
हर ओर दुशासन घूम रहे।
अर्जुन बृहन्नला बने हुए,
समरांगण में मासूम रहे।
चुप बैठे भीष्म अपाहिज से,
शकुनी पांसों को चूम रहे।
यह दौर पुनः खुदगर्जी का,
सब अपने मद में झूम रहे।।

'आतंकवादियों का सफाया करने में संकोच नहीं करेगी मोदी सरकार'

सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार आतंकवादियों का सफाया करने में संकोच नहीं करेगी, चाहे वे कहीं भी हों, तथा सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा।

सिंह ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, पड़ोसी देश का नाम लिए बिना पाकिस्तान को यह कड़ा संदेश दिया।

राज्य में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में, 'सर्जिकल स्ट्राइक' और बालाकोट हवाई हमले जैसे कदमों के साथ देश की सुरक्षा नीति में नया बदलाव आया है।

रक्षा मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए सैन्य अभियान का जिक्र करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहली बार हमने अपनी सीमा से 100 किलोमीटर दूर स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। बेशक, हमने केवल उन लोगों पर हमला किया, जिन्होंने हम पर हमला किया था। यही कारण है कि किसी भी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया।'' उन्होंने कहा, ''मोदी के नेतृत्व में, हमारी नीति आतंकवादियों को खत्म करने में संकोच न करने की रही है, चाहे वे कहीं भी हों। और हम यह आतंकवादी हमलों के सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई भेद किए बिना करेंगे।''

सिंह ने कहा कि मोदी के ''स्वदेशीकरण'' और ''आत्मनिर्भर भारत'' पर जोर देने के कारण देश के रक्षा निर्यात में तेज वृद्धि देखी गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मोदी सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम करती है, जो पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकारों से बिल्कुल अलग है, जिनमें दिशाहीनता थी और जो वोट बैंक की चिंता से प्रेरित थीं।''

सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की टिप्पणी पर उठे विवाद का भी परोक्ष संदर्भ दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि संविधान की प्रस्तावना से 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि इन्हें आपातकाल के दौरान जोड़ा गया था।

यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे, जहां वह पश्चिम अफ्रीकी देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगे और मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करेंगे। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी की हवाई अड्डे पर अगवानी की, जहां उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी की घाना की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। साथ ही, यह तीन दशकों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली घाना यात्रा है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''घाना के अक्करा पहुंचा। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत किये जाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। दोनों देश अपने दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नये रास्ते तलाशने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं।'' राष्ट्रपति महामा के निमंत्रण पर घाना की यात्रा पर आए मोदी का भव्य स्वागत किया गया, जिस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सलामी गारद का निरीक्षण किया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि

2000 करोड़ रुपए की एजेएल कंपनी को हड़पना चाहते थे सोनिया और राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) की संपत्ति हड़पना चाहते थे।

यह कंपनी नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने नेशनल हेराल्ड मामले में संज्ञान के बिंदुओं पर दलीलें सुन रहे थे।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने कहा कि 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी बनाने की साजिश रची गयी थी, ताकि एजेएल की संपत्ति हड़पी जा सके।

एजेएल ने करोड़ों की संपत्ति होने के बावजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) से 90 करोड़ रुपये कर्ज लिये थे। यंग इंडियन में सोनिया और राहुल के पास 76 प्रतिशत शेयर थे।

राजू ने साजिश का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा, ''एजेएल मुनाफा नहीं कमा रही थी, लेकिन उसके पास 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इसके बावजूद उसे अपने दैनिक कामकाज को संभालना मुश्किल हो रहा था।'' उन्होंने आगे कहा, ''साजिश 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए यंग इंडियन का निर्माण करना था। सोनिया और राहुल गांधी इस 2,000 करोड़ रुपये की कंपनी को अपने कब्जे में लेना चाहते थे।''

'क्वाड' ने बिना किसी देरी के पहलगाम हमले के दोषियों को दंडित करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊचटएगटन/भचऋच। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह 'क्वाड' ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया तथा संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से इस संबंध में सहयोग बढ़ाने की अपील की।

चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के विदेश मंत्रियों ने इस वर्ष के अंत में भारत में होने वाले समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक एजेंडा तय करने के वास्ते मंगलवार को अमेरिका की राजधानी में बैठक की।

'क्वाड' सदस्य देशों ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का दृढ़तापूर्वक समर्थन किया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। हालांकि, संयुक्त बयान में मंत्रियों ने पाकिस्तान का या मई में भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष का जिक्र नहीं किया।

बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान में उनके समकक्ष ताकेशी इवाया शामिल हुए। 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की ''कड़े से कड़े शब्दों में'' निंदा की, जिसमें 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

उपग्रह की तस्वीरों से खुलासा

ईरान ने फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/भाषा। ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है। उपग्रह की ली गयी तस्वीरों के अनुसार,ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात दिन काम कर रहा है और उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है।

साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवतः भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री

हसीना को छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने छह महीने की जेल की सजा सुनाई। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने कहा कि न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 की तीन सदस्यीय पीठ ने यह फैसला जारी किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिया स्पस्टीकरण

कोविड रोधी टीकों और दिल के दौरे से होने वाली मौतों के बीच कोई संबध नहीं है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **कर्नाटक के हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के मामलों पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा था कि जल्दबाजी में कोविड टीके को "हड़बड़ी में मंजूरी देना और लोगों को लगाना" भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है।**

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के मामलों को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा कोविड रोधी टीकों से जोड़ने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों ने निर्णायक रूप से स्थापित किया है कि कोरोना वायरस रोधी टीकों और अचानक हुई मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है।

सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा था कि जल्दबाजी में कोविड टीके को ''हड़बड़ी में मंजूरी देना और लोगों को लगाना'' भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि यदि उन्हें सीने में दर्द या सांस लेने में कठिनाई हो, तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच कराएं और इसे नजरअंदाज न करें।

मंत्रालय ने कहा कि देश में कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक और अस्पष्ट कारणों से मौत के मामलों की जांच की गई है और इन अध्ययनों से यह निर्णायक रूप से स्थापित हो गया है कि कोविड-19 टीकाकरण और अचानक मौतों की रिपोर्ट के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

उसने कहा कि आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा किए गए अध्ययनों से पुष्टि होती है कि भारत में कोविड-19 टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं तथा इनके गंभीर दुष्प्रभाव के मामले बेहद कम हैं।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अचानक हृदयाघात के पीछे आनुवांशिक कारण, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां और कोविड के बाद की जटिलताएं जैसे कई कारण हो सकते हैं।

आईसीएमआर और एनसीडीसी खासकर 18 से 45 वर्ष के वयस्कों में अचानक और अस्पष्ट कारणों से मौत की वजहों को समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस उद्देश्य के लिए दो पूरक अध्ययन किए गए, जिनमें अलग-अलग शोध पद्धतियों का उपयोग किया गया। एक अध्ययन पूर्ववर्ती डेटा (पिछले रिकॉर्ड) पर आधारित था, जबकि दूसरा वास्तविक समय की जांच पर केंद्रित था।

मंत्रालय ने कहा कि इस अध्ययन को मई से अगस्त 2023 के बीच देश के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 47 तृतीयक स्तर के अस्पतालों में किया गया।

अध्ययन में उन व्यक्तियों को शामिल किया गया जो देखने में पूरी तरह स्वस्थ थे, लेकिन अक्टूबर 2021 से मार्च 2023 के बीच अचानक उनकी मृत्यु हो गयी।

निष्कर्षों से यह स्पष्ट रूप से पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ता है।

दूसरे अध्ययन का शीर्षक है ''युवाओं में अचानक मौत के कारणों की पहचान''। इस अध्ययन को वर्तमान में एम्स, नई दिल्ली द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग और वित्तपोषण से किया जा रहा है।

बयान में कहा गया है कि इस अध्ययन का उद्देश्य युवाओं की अचानक मौत के सामान्य कारणों की पहचान करना है। इस अध्ययन से प्राप्त शुरुआती आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि हृदयाघात इस आयु वर्ग में अचानक मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है।

यह अध्ययन बताता है कि भारत में युवाओं में अचानक हुई मौत के कारणों की प्रवृत्ति में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं देखा गया है। अधिकांश मामलों में जेनेटिक म्यूटेशन (आनुवंशिक उत्परिवर्तन) को संभावित कारण के रूप में पहचाना गया है। अध्ययन पूरा होने के बाद अंतिम निष्कर्ष साझा किए जाएंगे। इन दोनों अध्ययनों ने मिलकर भारत में 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं में होने वाली अचानक मृत्यु के कारणों की बेहतर और व्यापक समझ प्रदान की है।

बयान में कहा गया है कि यह भी पाया गया है कि कोविड-19 टीकाकरण से जोखिम नहीं बढ़ता है, जबकि अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याएं, आनुवांशिक प्रवृत्ति और जोखिम भरी जीवनशैली की अचानक मौत के मामलों में भूमिका होती है।

गिल का बतौर कप्तान लगातार दूसरा शतक, भारत के पांच विकेट पर 310 रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। कप्तान शुभमन गिल की संयम से भरी लगातार दूसरी शतकीय पारी के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बुधवार को पांच विकेट पर 310 रन बना लिये।

कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह के बगैर अंतिम एकादश में तीन हरफनमौलाओं को लेकर उतरी भारतीय टीम ने बल्लेबाजी में संतुलित प्रदर्शन किया। लीड्स की ही तरह एडबस्टन की पिच भी बल्लेबाजों की मददगार है और बुमराह की गैर मौजूदगी में भारत को कम से कम 500 रन का स्कोर बनाना होगा।

पहले दिन का खेल समाप्त होने पर गिल 216 गेंद में 114 और रविंद्र जडेजा 67 गेंद में 41 रन बनाकर खेल रहे हैं। गिल ने शोएब बशीर को लगातार स्वीप शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। वह और जडेजा छठे विकेट की अटूट साझेदारी में 99 रन बना चुके हैं।

पहले टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाने वाले ऋषभ पंत ने 42 गेंद में 25 रन बनाये जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह चुने गए नीतिश कुमार रेड्डी एक ही रन बना सके। अंतिम सत्र में ये दोनों बल्लेबाज आउट हुए।

पंत को बशीर ने लांग आन पर जैक क्रॉली के हाथों लपकवाया। वहीं रेड्डी को क्रिस वोक्स ने बोल्ड किया।

इससे पहले यशस्वी जायसवाल शतक से चूक गए। दूसरे सत्र में स्टोक्स ने जायसवाल को शॉर्ट और वाइड गेंद पर विकेट के पीछे जैमी स्मिथ के हाथों लपकवाया।

कोटा में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त : बैराज के गेट खुले, घर-स्कूल-हॉस्पिटल जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। शहर में मंगलवार रात से जारी मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। देर रात 11 बजे शुरू हुई तेज बारिश का असर इतना जबरदस्त रहा कि शहर के कई इलाकों में सड़कों पर नदियाँ बहने लगीं और लोगों के घरों से लेकर स्कूल, अस्पताल और सरकारी कार्यालय तक पानी में डूब गए। चंबल नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए कोटा बैराज के पांच गेट खोल दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार बैराज से करीब 75,186 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसमें चार गेट 15-15 फीट और एक गेट 5 फीट तक खोला गया है। बैराज की क्षमता 854 फीट है, जबकि वर्तमान में इसका जलस्तर 852.80 फीट तक पहुंच चुका है। इसी के चलते जवाहर सागर डैम से भी 46 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

लगातार बारिश के कारण शहर का मौसम एकदम बदल गया है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। इससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत जरूर मिली, लेकिन दूसरी ओर जलभराव और अव्यवस्थाओं ने मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं।

कोटा जिले के मोड़क कस्बे में स्थिति बेहद चिंताजनक है। चौसला रोड और ईदगाह के पास करीब 50-60 घरों में पानी घुस गया है। इन इलाकों में सड़कें तालाब जैसी नजर आ रही हैं। रामपुरा इलाके की गलियों में बारिश के पानी ने नदियों जैसा बहाव बना लिया है। लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बारिश की वजह से सरकारी स्कूल, हॉस्पिटल और पुलिस चौकी के बाहर भी जलजमाव की स्थिति है। न सिर्फ बाहर की सड़कें बल्कि कई संस्थानों के प्रवेश द्वार तक पानी घुस चुका है। अस्पताल आने-जाने वाले मरीज और स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं भारी परेशानी में हैं।

सीएडी कॉलोनी में सरकारी क्वार्टर्स के बाहर और भीतर पानी भर गया है। चेंबर ओवरफ्लो होने की वजह से गंदा पानी घरों में घुस गया है। कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि उन्होंने प्रशासन को शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। इससे नाराज लोगों में रोष है। शहर के अंडरपास और प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया है। कई इलाकों में वाहन बंद पड़ गए हैं और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। रुक-रुक कर हो रही बारिश ने राहत की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है। मौसम विभाग ने कोटा सहित 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका मतलब है कि आने वाले घंटों में और अधिक भारी बारिश हो सकती है।

विभाग ने लोगों को सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की चेतावनी दी है। यहालांकि प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जलभराव वाले इलाकों में पंप और राहत दलों को रवाना किया गया है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि मौके पर कोई मदद नहीं पहुंची। शहर के कई हिस्सों में बिजली की आपूर्ति भी बाधित हुई है।

राजस्थान में हथियारों का जखीरा बरामद, कुख्यात बदमाश सहित दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और प्रतापगढ़ जलि पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में अवैध हथियारों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इनसे 14 अवैध विदेशी और देशी हथियार, 1860 कारतूस और 10 मैगजीन का विशाल जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो प्रमुख अपराधियों कुख्यात गैंगस्टर सलमान खान (38) और उसे हथियार आपूर्ति करने वाले राकेश कुमार (48) को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक (एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने बुधवार को बताया कि बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ भेजे गए दलों द्वारा व्यापक खुफिया जानकारी जुटाने के साथ उप महानिरीक्षक योगेश यादव की देखरेख में अभियान की योजना बनाई गई थी।

उन्होंने बताया कि 28 जून को छोटी सादड़ी थाना पुलिस ने राकेश कुमार को छोटी सादड़ी-नीमच रोड से एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि राकेश, अवैध हथियार आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण मोहरा था और उसकी गिरफ्तारी इस अभियान की पहली कड़ी साबित हुई। उन्होंने बताया कि राकेश से हुई पूछताछ ने पुलिस को अपराध की दुनिया के एक और बड़े नाम सलमान (38), निवासी नागदा, उज्जैन तक पहुंचाया। उन्होंने बताया कि सलमान फिरौती के एक मामले में पहले से ही बांसवाड़ा जेल में बंद था। उन्होंने बताया कि एजीटीएफ ने उसे 'प्रोटेक्शन वारंट' पर लिया।

अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में सलमान ने बताया कि उसके पिता शेरखान पठान भी पुलिसकर्मी थे लेकिन हत्या सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे और अंततः पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे। अधिकारी ने बताया कि सलमान ने कबूल किया कि उसने भी कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था। अधिकारी के अनुसार सलमान ने बताया कि स्कूल छोड़ने के बाद वह लड़ाई-झगड़ों में लिप्त हो गया और अपनी 90 बीघा पैतृक जमीन होने के बावजूद प्रॉपर्टी डीलिंग के नाम पर विवादित जमीनों पर कब्जा करने लगा।

अधिकारी के अनुसार सलमान ने बताया कि अपने खिलाफ लगातार बढ़ते मुकदमों से बचने के लिए उसने निवास बदलकर फर्जी पासपोर्ट बनवाया और दुबई भाग गया था। अधिकारी के अनुसार पुलिस को सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह मिली कि दुबई जाने से पहले उसने अपने सभी अवैध हथियार दोस्त मोहम्मद नवाज, निवासी रतलाम के पास 30 लाख रुपये की जमानत के तौर पर गिरवी रख दिए थे, उसका इरादा था कि जेल से छूटने के बाद वह इन्हें वापस ले लेगा। पुलिस ने बताया कि सलमान के खुलासे के बाद छोटी सादड़ी में हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि सलमान खान पर हमला, जबरन वसूली, चोरी, हत्या के प्रयास सहित कई मामले दर्ज हैं।

भजनलाल ने गुरू पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का किया विमोचन

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजधानी जयपुर के मानसरोवर में अनोखी धाम में दस जुलाई को आयोजित होने वाले गुरू पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का बुधवार को यहां विमोचन किया। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर इस पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान अनोखी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद थे। अनोखी धाम सेवा समिति द्वारा दस जुलाई को मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी के अनोखी धाम (हनुमंत स्वरूप नीब करौरी महाराज) में गुरू पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम अभियान' में ऊर्जा विभाग के कार्मिक भी देंगे योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'एक पेड़ मां के नाम-हरयालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान ' में ऊर्जा विभाग भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाएगा। मानसून के दौरान प्रदेशभर में विभाग की ओर से थर्मल इकाइयों, ग्रिड सब स्टेशनों, कार्यालय परिसरों आदि में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को सेन्ट्रल पार्क में पौधारोपण के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से देशवासियों को प्रकृति से जोड़ने का महत्ती संकल्प लिया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक पेड़ मां के नाम-हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के माध्यम से प्रदेश को हरा-भरा बनाने में जन-जन से भागीदारी का आह्वान किया है।

नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग के कार्मिक अधिक से अधिक पौधे लगाकर शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की प्राप्ति में अपना योगदान देंगे। ऊर्जा मंत्री के साथ ही विभाग के कार्मिकों ने भी इस दौरान गुलमोहर, आम आदि के पौधे लगाए।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए मंत्री ने पुख्ता प्रबंधन करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए सभी जिलों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन जिलों में बारिश अधिक हो रही है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें। चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। खींवसर ने कहा कि विगत वर्ष मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम की गई थी, जिसके चलते केसों की संख्या कम रही और मौतें भी नगण्य रहीं। इस वर्ष भी माकूल प्रबंधन करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी मानव संसाधन की और आवश्यकता है, तत्काल अवगत कराएं। अस्पतालों में दवाओं की समुचित उपलब्धता और जांच उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही, राज्य एवं जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वीकृत नए चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संबंधित जिला कलक्टर के माध्यम से जमीन आवंटन की कार्यवाही को पूरा कराने में गंभीरता बरतें, ताकि नए संस्थानों के भवनों का जल्द निर्माण हो और प्रदेश में स्वास्थ्य का आधारभूत ढांचा मजबूत हो। चिकित्सा मंत्री ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की समीक्षा करते हुए प्रदेश की अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग, जांच एवं उपचार गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित हो। आमजन को जागरूक कर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाएं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सीएमएचओ यह ध्यान रखें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार की व्यवस्थाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हो और स्टाफ अनुपस्थित नहीं रहे। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि अब आरजीएचएस योजना का संचालन चिकित्सा विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। सभी चिकित्सक रोगियों के उपचार में नियमों का पालन करें और दवाएं एवं जांचें लिखने में पूरी पारदर्शिता बरतें। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना की राज्य स्तर से गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, ट्रोमा सेंटर एवं एमसीएच सेंटर के नए भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन का कार्य टाइम बाउंड अवधि में पूर्ण कर लिया जाए।

जिन चिकित्सा संस्थानो के भवनों का निर्माण कार्य 70 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, वहां चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर सहित विभिन्न आवश्यकताओं का गैप असेसमेंट कर अनुमानित बजट के लिए मांग समय पर निदेशालय भिजवाएं। उन्होंने आईपीएचएल लैब, एसडीएच व मॉडल सीएचसी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जांच सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया।

दीया कुमारी ने बारिश से जुड़ी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को यहां जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी और उनके निदान के निर्देश दिए। इस दौरान विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने अपने मुद्दे और समस्याएं उनके समक्ष रखीं। जनसुनवाई में खास तौर पर बारिश के कारण उत्पन्न हो रही समस्याएं जैसे जलभराव, सड़कों की क्षति और नालों की सफाई को लेकर कुछ शिकायतें सामने आईं। उन्होंने इन विषयों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मानसून के दौरान कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव एवं अव्यवस्थित ड्रेनेज जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। आज की जनसुनवाई में भी इस तरह के कई मामले आए, जिन पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने जनसुनवाई को आमजन से सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक शिकायत का समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। थोड़ी बहुत कुछ शिकायतों के अलावा जनसुनवाई में आए लोगों ने कई समाधानों के लिए धन्यवाद भी दिया।

तीन बाघों की हड्डियां मिलने से रणथंभौर में शिकार को लेकर चिंताएं बढ़ीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिकारियों के एक अंतरराज्यीय गिरोह द्वारा मारे गए तीन बाघों के रणथंभौर बाघ अभयारण्य (आरटीआर) से होने की आशंका के बाद राजस्थान के इस विख्यात अभयारण्य में शिकार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने मध्य प्रदेश की 'स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स', राजस्थान वन विभाग और सवाई माधोपुर के एक गैर सरकारी संगठन 'टाइगर वॉच' के एक संयुक्त अभियान के बाद यह खुलासा हुआ। इसके तहत छह शिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार शिकारियों में तीन राजस्थान से हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार पांच जून को मध्य प्रदेश के श्योपुर के पास बाघों की हड्डियों के 225 से अधिक टुकड़े जब्त किए गए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में राजस्थान के दौसा के निवासी दाऊजी भील और सुनीता दाऊजी और मध्य प्रदेश के श्योपुर के बेस्ता भील शामिल हैं। इनके पास बाघों की खोपड़ी और हड्डियां मिलीं। मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों ने शिवपुरी से बानीराम मोघिया और नरेश तथा राजस्थान के टोंक निवासी राजाराम मोघिया को भी पकड़ा। एक आधिकारिक संवाद में मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों ने राजस्थान से रणथंभौर के बाघों की डीएनए प्रोफाइल साझा करने को कहा है ताकि जब्त किए गए अवशेषों से इनका मिलान किया जा सके।

राजस्थान वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें पत्र मिला है और समुचित परख के बाद जवाब दिया जाएगा। हमारी टीम इस पर सक्रियता से काम कर रही हैं। रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप के आर ने राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को एक रिपोर्ट भेजी है। इसमें कहा गया है, कुछ हड्डियां, बाघ की होना पाया गया है। ये हड्डियां किसकी हैं, यह पता लगाने के लिए आगे की जांच हेतु मध्य प्रदेश और राजस्थान वन विभागों की संयुक्त टीम समन्वय में काम कर रही है।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि जब्त किए गए अवशेष तीन बाघ और एक तेंदुए के हैं। नमूनों को रणथंभौर के बाघ डेटाबेस के साथ मिलान के लिए राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र (एनसीबीएस) बेंगलूरु भेजा गया है। वन अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट तीन सप्ताह में आने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार यह शिकार चंबल के राजस्थान की ओर वाले इलाके में होने का संदेह है। सूत्रों ने बताया कि जांच में पता चला है कि करीब छह महीने पहले एक बाघ और होली के आसपास एक तेंदुआ मारा गया था। सूत्रों ने बताया कि ये दोनों घटनाएं राजस्थान में होने की आशंका है।

वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने मांग की है।

बाड़मेर में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने पानी के टांके (टंकी) में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार शाम को शिव थाना क्षेत्र के उण्डू गांव में ब्राह्मणों की ढाणी की है जहां शिवलाल (35), उनकी पत्नी कविता (32) और उनके आठ वर्षीय तथा छह वर्षीय दो बेटे घर के बाहर एक टैंक में मृत पाए गए।

प्रारंभिक जांच के अनुसार शिवलाल ने कथित तौर पर घर पर ताला लगाने के बाद अपने परिवार के साथ टांके में छलांग लगा दी। पुलिस नेन बताया कि शिवलाल के छोटे भाई ने उन्हें कई बार फोन किया, लेकिन जब फोन नहीं उठाया तो घटना की जानकारी हुई जिसके बाद पुलिस को सतर्क किया गया। शिव के पुलिस उपाधीक्षक मानाराम गर्ग ने कहा, शव मंगलवार शाम को टांके में मिले। महिला के पीहर पक्ष को सूचित किया गया और बुधवार सुबह उनकी मौजूदगी में शवों को निकाला गया क्योंकि वे रात में नहीं आ सके। कविता के चाचा गोपीलाल ने संवाददाताओं से कहा, शिवलाल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत राशि से अलग मकान बनाना चाहता था। लेकिन उसके भाई और मां ने इसकी अनुमति नहीं दी। इससे परेशान होकर उसने 29 जून को सुसाइड नोट लिखा। परिवार के अनुसार शिवलाल ने दो दिन पहले कथित नोट लिखा लेकिन उसने तुरंत कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन मंगलवार को जब उसकी मां बाड़मेर में अपने भाई से मिलने चली गई और उसके पिता धार्मिक कार्य के लिए बाहर गए तो शिवलाल और कविता ने अपने फोन बंद कर दिए और कथित तौर पर यह कदम उठाया। पुलिस ने दोनों पक्षों के रिश्तेदारों के बयान दर्ज किए और अधिकारियों ने कहा कि वे आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित धाराओं के तहत घरेलू उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रहे हैं। शिव पुलिस ने बताया कि कथित सुसाइड नोट और पारिवारिक विवादों को भी जांच का हिस्सा माना जाएगा।

डायलाना में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरी के चातुर्मास को लेकर विशेष उत्साह

रविवार को आचार्यश्री का चातुर्मास प्रवेश

डायलाना। राजस्थान के गोड़वाड़ क्षेत्र के डायलाना ग्राम में शांतिनाथ आदिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी आदि साधु साध्वियों का चातुर्मास प्रवेश रविवार को सुबह 7 बजे होगा। चातुर्मास के मुख्य लाभार्थी सिल्वर एम्पोरियम के संघवी शकुनदेवी मुलतानमल सुंदेशा मेहता परिवार ने बताया कि डायलाना में आचार्यश्री के पहले चातुर्मास को लेकर विशेष उत्साह है। गांव के विभिन्न जैन समुदाय सहित अन्य लोग भी कृत्रिम हस्तिापुर नगरी में चातुर्मास प्रवेश की तैयारियों में जुटे हुए हैं। बेंगलूरु, मुम्बई, चेन्नई व अन्य शहरों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त आचार्यश्री के चातुर्मास प्रवेश में शामिल होंगे।

सहायक नगर नियोजक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एक टीम ने राजस्थान के नागौर में एक सहायक नगर नियोजक को बुधवार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नगर परिषद नागौर के एटीपी कौशल कुमार को चार लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने शिकायत की थी कि उसके भतीजे के नाम पंजीकृत 'वेयर हाउस व कोल्ड स्टोरेज' की तकनीकी रिपोर्ट अनुकूल बनाने की एवज में पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है और उन्हें परेशान किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह को अक्सर तमिलनाडु आना चाहिए, इससे द्रमुक को फायदा होगा: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नईय मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह को अक्सर तमिलनाडु का दौरा करना चाहिए क्योंकि इससे चुनाव में उनकी पार्टी को फायदा होगा।

स्टालिन ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले ही कहा था कि अमित शाह और मोदी को अक्सर आना चाहिए। पिछले महीने केंद्रीय गृह मंत्री शाह के दौरे पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा, वे आते हैं और झूठ बोलते हैं और चले जाते हैं और लोग समझ जाते हैं कि यह झूठ है। चुनाव के दौरान यह हमारे लिए फायदेमंद होगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह उन्होंने राय भी दी थी कि राज्यपाल आरएन रवि को तमिलनाडु से बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि अगर राज्यपाल लोगों के लिए कुछ अच्छा भी करते हैं तो भी इसका कोई असर नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल पर ऐसे कार्यों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाना जो राज्य के हितों के लिए हानिकारक हैं। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणियां अपनी द्रमुक के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह टिप्पणी की।

चेन्नई के अन्नामलाईपुरम् में 2 जुलाई को हिन्दू धार्मिक और बंदोबस्ती विभाग के चेन्नई जिला मंदिरों की ओर से 32 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। उन्होंने जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर मंत्री केएन नेहरु, एम सुब्रमण्य, पीके शेकरबाबू आदि उपस्थित थे।

विभाजनकारी तत्व हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की उपलब्धियों से परेशान : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कहा कि विभाजनकारी मानसिकता वाले लोग, जो भक्ति के मुखौटे का उपयोग करके अपने वास्तविक इरादों को छिपाते हैं, द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की उपलब्धियों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यहां हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तत्वावधान में 32 जोड़ों के विवाह समारोह की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के तहत पिछले चार वर्षों के दौरान विभाग के तत्वावधान में अब तक 2,376 शादियां संपन्न हुई हैं और इसमें आज हुए 576 विवाह भी शामिल हैं।

स्टालिन ने कहा कि 3,177 मंदिरों का अभिषेक किया गया है, जो अभूतपूर्व है। इसके साथ ही, 997 मंदिरों से संबंधित 7,655.75 एकड़ भूमि, जिसकी कीमत लगभग 7,701 करोड़ रुपये है, को पुनः प्राप्त करना द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की मुख्य उपलब्धियों में शामिल है।

उन्होंने कई अन्य पहलों का भी उल्लेख किया, जिनमें अनैथु सथियिनारुम अर्चक आगलम (किसी भी जाति का कोई भी व्यक्ति पुजारी बन सकता है) योजना के तहत 29 प्रशिक्षित पुजारियों की नियुक्ति भी शामिल है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि वह ऐसी कई और योजनाओं की सूची गिना सकते हैं, लेकिन 'हर किसी के लिए सब कुछ' की भावना रखने वाली, उदारवादी द्रविड़ मॉडल सरकार की ऐसी उपलब्धियां उन लोगों से सहन नहीं हो रही हैं, जो नफरत और विभाजनकारी मानसिकता रखते हैं और अपनी असली मंशाओं को 'भक्ति' का मुखौटा पहनकर छिपाते हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चे भक्त आध्यात्मिकता के क्षेत्र में सरकार की सेवाओं की सराहना करते हैं।

दक्षिण रेलवे के लिए नए प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक जुलाई को दक्षिण रेलवे के नए प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) के रूप में जे. विनयन ने कार्यभार संभाला। दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक का पदभार संभालने से पहले, वे दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। जे. विनयन, बेजी जॉर्ज का स्थान लेंगे, जो मई 2025 में सेवानिवृत्त होंगे।

जे. विनयन 1993 यूपीएससी सिविल सेवा बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जैसे कि एफएसीटी (पीएसयू) लिमिटेड में मुख्य सतर्कता अधिकारी, और दक्षिण रेलवे में मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, मुख्य परिचालन प्रबंधक/सामान्य, मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक और मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/यात्री विपणन सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान लखनऊ में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में भी कार्य किया है और 2002-2007 के दौरान आईआरसीटीसी के माध्यम से भारतीय रेलवे ई-टिकटिंग सेवा शुरू करने वाली प्रारंभिक अग्रणी टीम का हिस्सा थे।

साइबर कानून और प्रबंधन में योग्यता प्राप्त जे. विनयन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम से सिविल इंजीनियरिंग स्नातक हैं। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर से प्रबंधन में पीएचडी की है, जहां संगठनों में भ्रष्टाचार और नैतिकता पर उनके शोध ने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की। उल्लेखनीय है कि जे. विनयन को वर्ष 2008 में तत्कालीन रेल मंत्री द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ' नैतिकता और भ्रष्टाचार - एक परिचय' नामक एक बहुचर्चित पुस्तक लिखी है, तथा उनके शोध ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अपनाए गए सत्यनिष्ठा सूचकांक के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

केरल में 'विभाजनकारी राजनीति' बढ़ रही है : मंत्री साजी चेरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री साजी चेरियन ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में विभाजनकारी राजनीति में ''उल्लेखनीय वृद्धि'' हो रही है। चेरियन ने जुम्बा नृत्य के खिलाफ हालिया विरोध प्रदर्शन और 'सुरेश गोपी' अभिनीत फिल्म 'जानकी वर्सेस द स्टेट ऑफ केरल' का नाम बदलने की मांग को इसका उदाहरण बताया। एक कार्यक्रम में चेरियन ने आरोप लगाया कि कुछ निहित स्वार्थ वाले तत्व समाज में घृणा और वैमनस्य फैलाने का ''सुनियोजित प्रयास'' कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''केरल में बड़े पैमाने पर विभाजनकारी राजनीति बढ़ रही है।'' विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए चेरियन ने कहा कि एक ओर जहां एक समूह स्कूलों में जुम्बा का विरोध कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग फिल्म जानकी' को निशाना बनाते हुए दावा कर रहे है कि इसके शीर्षक से देवी का अपमान हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि प्रवीन नारायणन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि 'जानकी' जो देवी सीता का एक नाम है, ऐसे किरदार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। चेरियन ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष चुनावी लाभ के लिए सांप्रदायिक ताकतों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

उन्होंने फिल्म 'जानकी वर्सेस द स्टेट ऑफ केरल' को सेंसर बोर्ड से प्रमाणन न मिलने का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अधिकारियों ने भाजपा-आरएसएस के प्रभाव'' में आकर फिल्म को इसके शीर्षक के कारण रोका।

टेलीफोन टैपिंग निजता के अधिकार का उल्लंघन है : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि टेलीफोन टैपिंग' को जब तक कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत उचित न ठहराया जाता, तब तक यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने यह भी कहा कि निजता का अधिकार अब संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि टेलीग्राफ अधिनियम की धारा 5(2) सार्वजनिक आपातकाल की स्थिति में या सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर टेलीफोन को 'इंटरसेप्ट' करने का अधिकार देती है।

उन्होंने कहा कि 'पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज' मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पैरा 28 में निर्धारित किया गया है कि उपरोक्त दो स्थितियां पैदा होने पर ही प्राधिकरण संदेशों को इंटरसेप्ट करने का आदेश पारित कर सकता है तथा इसके लिए संतोषजनक तथ्य प्रदान करने होंगे कि ऐसा करना उसके लिए क्यों आवश्यक था? प्राधिकरण को यह बताना होगा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश/राज्य की सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था या किसी अपराध के उकसावे को रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन था।

न्यायाधीश ने एवरॉन एजुकेशन लिमिटेड' के प्रबंध निदेशक पी किशोर की याचिका स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें आयकर के सहायक आयुक्त से जुड़े रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित मामले में याचिकाकर्ता के मोबाइल फोन की टैपिंग को अधिकृत किया गया था। यह मामला रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के सिलसिले में सीबीआई जांच से संबद्ध है।

पुलिस हिरासत में जान गंवाने वाले मंदिर के गार्ड के परिवार को दी गई सहायता

शिवगंगा/चेन्नई। तमिलनाडु के सहकारिता मंत्री के.आर पेरियाकरुप्पन ने शिवगंगा जिले में एक मंदिर रक्षक के परिवार को मकान का पट्टा, नौकरी का नियुक्ति आदेश और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) की ओर से पांच लाख रुपये की सहायता राशि बुधवार को सौंपी। मंदिर गार्ड की कथित तौर पर पुलिस हिरासत में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस बीच, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने पीड़ित अजित कुमार की मां से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं और सहानुभूति व्यक्त की। विपक्ष के नेता ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता, उनकी पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।

मंत्री पेरियाकरुप्पन ने मदप्पुरम गांव में पीड़ित परिवार से मुलाकात की और शिवगंगा जिला कलेक्टर के. पोरकोडी और मनमादुरी से विधायक तमिलरासी रविकुमार की उपस्थिति में अजित कुमार के भाई नवीन कुमार को नौकरी का नियुक्ति आदेश सौंपा। नवीन कुमार को शिवगंगा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, कराईकुडी में अनुकंपा के आधार पर तकनीशियन के पद पर नियुक्त किया गया। साथ ही, मंत्री ने पीड़ित की मां मालती को तीन सेंट जमीन मुफ्त देने का आदेश दिया और इसके लिए सरकारी पट्टा (घर की जगह) भी दिया। पेरियाकरुप्पन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उनकी पार्टी द्रमुक की ओर से पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा, यह सहायता का पहला चरण है और सहायता जारी रहेगी।

जेएसके फिल्म प्रमाणन : उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शनिवार को देखेंगे फिल्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म के प्रमाणन में देरी के खिलाफ याचिका पर आगे बढ़ने से पहले सुरेश गोपी-अभिनीत फिल्म, 'जानकी वर्सेस स्टेट ऑफ केरल' (जेएसके) पांच जुलाई को देखना उचित होगा।

न्यायमूर्ति एन. नागरेश ने अपने आदेश में कहा, ''(कोई भी) आदेश पारित करने से पहले फिल्म देखना उचित होगा।'' अदालत ने फिल्म के निर्माताओं को पांच जुलाई (शनिवार) को सुबह 10 बजे फिल्म की स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख निर्धारित की। यह आदेश फिल्म की निर्माण कंपनी कॉसमॉस एंटरटेनमेंट की याचिका पर आया। फिल्म के निर्माता यहां पलारीवट्टोम में लाल मीडिया में फिल्म की स्क्रीनिंग की व्यवस्था करने पर सहमत हुए। सीबीएफसी ने बुधवार को सुनवाई के दौरान अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इस पर अदालत ने कहा कि वह जवाब दाखिल करने के लिए अनावश्यक रूप से समय नहीं बढ़ा सकती। अदालत ने पिछले सप्ताह बोर्ड से फिल्म के बारे में अपनी संशोधन समिति के निर्णय को लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा था। फिल्म को अभी तक इसके मुख्य पात्र का नाम 'जानकी' होने के कारण सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित नहीं किया गया है।

इसने बोर्ड से पूछा था कि 'जानकी' नाम में क्या गलत है। सूत्रों के अनुसार, सीबीएफसी संशोधन समिति ने जेएसके के निर्माताओं को मौखिक रूप से मुख्य पात्र का नाम बदलने का निर्देश दिया था, क्योंकि जानकी' देवी सीता का दूसरा नाम है।

इंडियन बैंक ने कर्ज के लिए ब्याज घटाया, खाते में न्यूनतम राशि से जुड़े शुल्क से दी छूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने बुधवार को एक वर्षीय कोष की सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) 0.05 प्रतिशत घटाकर नौ प्रतिशत करने की घोषणा की।

इंडियन बैंक ने बुधवार को एक बयान में कहा कि नई दर तीन जुलाई से प्रभाव में आ जाएगी। एक साल की एमसीएलआर वह मानक दर है जिसके आधार पर वाहन, व्यक्तिगत और आवास ऋण जैसे अधिकांश ऋणों के लिए ब्याज तय किये जाते हैं। बयान के अनुसार, बैंक कर्ज को सस्ता करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी के तहत एक साल की एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कटौती की गयी है। इस कटौती के बाद एमसीएलआर आधारित ब्याज नौ प्रतिशत हो जाएगा। इसके अलावा, बैंक ने सात जुलाई, 2025 से सभी बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि रखने से जुड़े शुल्क से पूरी तरह छूट देने की घोषणा की है।

इस कदम का उद्देश्य वित्तीय समावेश को बढ़ावा देना और समाज के सभी वर्गों के लिए बैंक को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस निर्णय से इंडियन बैंक के ग्राहकों को लाभ मिलेगा। इस छूट से ज्यादा-से-ज्यादा व्यक्तियों, विशेष रूप से वंचित समुदायों के लोगों को बैंक प्रणाली से जुड़ने को लेकर प्रोत्साहित होने की उम्मीद है।

इसके साथ बैंक ने सभी बचत बैंक खातों में न्यूनतम शेष राशि से जुड़े शुल्क से पूरी तरह से छूट देन का भी ऐलान किया। बैंक ने बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य वित्तीय समावेश को बढ़ावा देना और समाज के सभी वर्गों के लिए बैंक को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। इस कदम से इंडियन बैंक के खाताधारकों की एक बड़ी संख्या को लाभ मिलने वाला है, जिसमें छात्र और वरिष्ठ नागरिक से लेकर छोटे व्यवसाय के मालिक और ग्रामीण ग्राहक शामिल हैं। इस छूट से अधिक व्यक्तियों, विशेष रूप से वंचित समुदायों के लोगों के बैंक प्रणाली से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित होने की उम्मीद है। इसके अलावा, बैंक ने बैंक ने अपने एक वर्षीय कोष की सीमांत लागत आधारित उधारी दर में 0.05 प्रतिशत की कटौती की भी घोषणा की है। यह तीन यह 3 जुलाई, 2025 से 9.00 प्रतिशत हो जाएगा। इस कटौती से ऋण पर कम ब्याज दर वाले उधारकर्ताओं को सीधे लाभ होगा।

दक्षिण रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा हरित पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे महिला कल्याण संगठन (एसआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लेडीज ऑर्गनाइजेशन (फिक्की एफएलओ) के सहयोग से दक्षिण रेलवे महिला मुख्यालय संगठन की अध्यक्ष सोनिया सिंह के नेतृत्व में दक्षिणी क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस अभियान की शुरुआत 2 जुलाई को पेरम्बूर में एसआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ द्वारा संचालित विशेष बच्चों के आश्रय स्कूल में वृक्षारोपण के साथ हुई। संगठन की अध्यक्ष सोनिया सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा कौशल और दक्षिण रेलवे महिला मुख्यालय संगठन की अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। दोनों संगठनों के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए, जो एक हरियाली भरे कल की ओर एक संयुक्त कदम था।

आश्रय स्कूल के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ इस पहल में भाग लिया तथा पर्यावरण जागरूकता और हरित कार्रवाई की भावना में योगदान दिया।

मैं 5 साल तक कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहूंगा : सिद्दरामय्या

चिक्कबल्लापुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि वह पांच साल के पूरे कार्यकाल के दौरान पद पर बने रहेंगे। सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और पार्टी की सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह ''मजबूत'' रहेगी।

पत्रकारों ने सिद्दरामय्या से सवाल किया कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे जिसके जवाब में वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है?'' राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। शिवकुमार ने हालांकि मंगलवार को कहा था कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हो रही और उन्होंने राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एवं पार्टी की सरकार के हाथ मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री को बदले जाने संबंधी भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और जनता दल-एस (जद-एस) के नेताओं के दावे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, ''क्या वे हमारे आलाकमान हैं?'' उन्होंने कहा, ''आर अशोक (विधानसभा में विपक्ष के नेता) भाजपा के नेता हैं। विजयेंद्र येडीयुरप्पा(भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष) भाजपा के नेता हैं। चलवाडी नारायणस्वामी (विधान परिषद में विपक्ष के नेता) भाजपा के नेता हैं। अगर वे ऐसी बातें करते हैं तो क्या आप लिखेंगे? आपको इसकी पुष्टि करनी चाहिए या नहीं?'' भाजपा पर सरकार की स्थिरता के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह ''मजबूत'' रहेगी। उन्होंने कहा, ''भाजपा पर कोई विश्वास नहीं करता। वे केवल झूठ बोलते हैं। वे झूठ बोलने में माहिर हैं। वे सच बोलना नहीं जानते। ...(कांग्रेस में) हम सब एक साथ हैं। जैसा कि मैंने हाल में मैसुरु में कहा था, हम पांच साल तक सत्ता में रहेंगे। हमारी सरकार चट्टान की तरह मजबूत रहेगी। भाजपा के लोग दिवास्वप्न देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा) करीब चार साल तक सत्ता में रहे और मुख्यमंत्री के तौर पर एच डी कुमारस्वामी के कार्यकाल में जद (एस) के साथ करीब एक साल तक गठबंधन सरकार में रहे। उन्होंने क्या किया? उन्होंने कुछ नहीं किया। वे झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।''

कांग्रेस में मंत्री पद के दावेदारों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान इस पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में हर किसी को मुख्यमंत्री बनने का अधिकार है। (कांग्रेस का) आलाकमान ही आखिरकार फैसला करेगा। हमारी पार्टी में करीब 140 लोग (विधायक) हैं। सिर्फ 34 लोगों को ही मंत्री बनाया जा सकता है। क्या सभी को मंत्री बनाया जा सकता है?''

मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना होगा: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/चिक्कबल्लापुर। पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए कर्नाटक का मुख्यमंत्री बने रहने के सिद्दरामय्या के बयान के बाद उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है और वह सिद्दरामय्या का समर्थन करेंगे। शिवकुमार ने उनके पास कोई विकल्प नहीं होने का संकेत देते हुए कहा कि वह कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों का पालन करेंगे। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के बयान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है, उनका (सिद्दरामय्या) समर्थन करना है। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। पार्टी आलाकमान जो भी कहेगा और जो भी चाहेगा, उसे माना जाएगा।'' जब उनसे यह पूछा गया कि क्या पार्टी उनका समर्थन नहीं कर रही जबकि उनके समर्थक पार्टी के लिए उनके बलिदान का हवाला देते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं, उन्होंने कहा, ''मैं इस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहता। लाखों कार्यकर्ताओं ने इस पार्टी का समर्थन किया है। यह केवल डी के शिवकुमार की बात नहीं है।'' इससे पहले सिद्दरामय्या ने बुधवार को चिक्कबल्लापुर में कहा कि वह पांच साल के पूरे कार्यकाल के दौरान पद पर बने रहेंगे। राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या एवं शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही तथा उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया। उस समय कुछ खबरें थीं कि ''क्रमिक मुख्यमंत्री फॉर्मूला'' के आधार पर समझौता हुआ है जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। शिवकुमार ने इससे पहले दिन में कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्दरामय्या राज्य के मुख्यमंत्री हैं तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी विवाद की जरूरत नहीं है।

सुरजेवाला कर्नाटक में सिद्दरामय्या के ''इस्तीफे की तैयारी'' करने के लिए आए हैं : विजयेंद्र

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के ''इस्तीफे की तैयारी'' करने के लिए राज्य में आए हैं। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र ध्वस्त हो चुका है और शासन व्यवस्था अव्यवस्थित हो चुकी है। कांग्रेस विधायकों के बीच आपसी लड़ाई बढ़ती जा रही है और विकास कार्य ठप हो गए हैं। विजयेंद्र ने कहा, ''कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु में हैं। वह यहां क्यों हैं। उन्हें भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के पतन की कोई चिंता नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विधायकों की राय ले रहे हैं और सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए आधार तैयार कर रहे हैं। शीर्ष पद के लिए लड़ाई तेज हो गई है जिसके कारण राज्य में खरीद-फरोख्त की संभावना है।

सुविचार

राधा को खोजने कृष्ण कहीं नहीं गए, क्योंकि प्रेम रास्ता खुद बना लेता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल इंडिया: एक क्रांतिकारी पहल

पिछले एक दशक में 'डिजिटल इंडिया' पहल ने देशवासियों के जीवन को आसान बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत, जो अत्यंत विविधतापूर्ण देश है, में इस पहल को बहुत संदेह की दृष्टि से देखा गया था। कुछ 'बुद्धिजीवी' तो यह दावा करते थे कि लोगों के पास अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए संसाधन नहीं हैं, लिहाजा वे डिजिटल तौर-तरीकों से दूर ही रहेंगे। हालांकि देशवासियों ने उन्हें पूरी तरह गलत साबित कर दिया। आज डिजिटल सेवाओं का बहुत विस्तार हो चुका है। एक दशक पहले लोगों को अपनी कई जरूरतों के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। 'डिजिटल इंडिया' ने उनकी जटिलताओं को दूर किया है। याद करें, वर्ष 2014 और उससे पहले बिजली का बिल चुकाने के लिए कितनी लंबी कतारें लगती थीं? बैंक से संबंधित किसी काम के लिए जाते थे तो कितना समय लगता था? रसोई गैस सिलेंडर लेने जाते तो कितने समय बाद बारी आती थी? सिनेमा, बस और ट्रेन की टिकटें लेने का अनुभव कैसा होता था? कई बार तो उन कतारों में धक्का-मुक्की, बहस आदि की वजह से झगड़े तक हो जाते थे। अब डिजिटल इंडिया' की वजह से विभिन्न सेवाएं तथा सुविधाएं मोबाइल फोन पर कुछ ही सेकंडों में आसानी से मिल जाती हैं। यह तो एक शुरुआत है। देश में डिजिटलीकरण का जिस तरह विस्तार होता जा रहा है, वह अगले दशक में बहुत बड़े बदलाव लेकर आएगा। उस समय किशोरों और नौजवानों को आश्चर्य होगा कि उनके माता-पिता और घर के बड़े सदस्यों को कभी कतारों में लगना होता था,

दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे! मोदी सरकार को इस बात का श्रेय मिलना चाहिए, जिसने तमाम आलोचनाओं के बावजूद डिजिटलीकरण के जरिए सेवाओं तथा सुविधाओं का सरलीकरण जारी रखा। 'डिजिटल इंडिया' पहल की वजह से समय, संसाधन और ऊर्जा की बचत हुई है। पहले, बैंकिंग सेवाएं एक खास वर्ग तक सीमित थीं। ग्रामीण आबादी इससे वंचित थी। खाता खुलवाने से लेकर छोटी-छोटी सेवाओं के लिए लंबी कागजी प्रक्रिया होती थी। उस व्यवस्था ने कई बिचौलियों को जन्म दिया, जो जरूरतमंद लोगों से धन ऐंठते थे। सरकारें कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों के कल्याण के लिए जो योजनाएं चलाती थीं, उनका बहुत बड़ा हिस्सा बिचौलिए और भ्रष्टाचारी खा जाते थे। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो स्वीकार किया था कि सरकार 100 पैसे भेजती थी तो उसमें से 85 पैसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे। अगर आज सरकार दूर-दराज के इलाके में रहने वाले किसी किसान के खाते में रुपए भेजती है तो उसे पूरी रकम मिलती है। एक पैसा भी कम नहीं होता। क्या यह देश की उपलब्धि नहीं है? क्या इससे भ्रष्टाचारियों पर लगाम नहीं लगी है? वास्तव में 'डिजिटल इंडिया' पहल किसी जन-आंदोलन से कम नहीं है। इसने परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। इसने मोबाइल फोन को कई जरूरतों का एक ठिकाना बना दिया है। भारत ने सबसे बड़ा कीर्तिमान तो डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में बनाया है। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म की सफलता से अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, जापान जैसे देश हैरान हैं। एक वर्ष में 100 अरब से ज्यादा लेनदेन को संभालना कोई मामूली बात नहीं है। आधे 'रियल टाइम' डिजिटल लेनदेन का भारत में होना हमारे लिए गर्व का विषय है। जो देश तकनीक और संसाधनों के मामले में बहुत संपन्न माने जाते हैं, वे हमारे आस-पास भी नहीं हैं। आधार, डिजिलॉकर, कोविन और फास्टैग को दुनियाभर से सराहना मिल रही है। इंटरनेट ने हुनरमंद लोगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। आज वे गांवों में रहकर लाखों रुपए कमा रहे हैं। 'डिजिटल इंडिया' देशवासियों के सपनों को हकीकत में बदलने का संकल्प साबित हो रहा है।

ट्वीटर टॉक

कुशल संगठनकर्ता, भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के माननीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री मदन राठौड़ जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आपके ऊर्जावान नेतृत्व में प्रदेश भाजपा सफ़लता की नित नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है।

-भजनलाल शर्मा

आज सिविल लाइंस स्थित कार्यालय पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विद्याधर नगर विधानसभा से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

बांसवाड़ा की यह खबर राजस्थान की कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था दोनों की पोल खोलने के लिए काफी है। एक तरफ आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आकर पुनः खुले आम शिक्षिका की तलवार से हत्या कर देता है क्योंकि उसके मन में पुलिस का कोई खौफ नहीं है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

शांति का योद्धा

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिक डेसमंड डॉस ने एक असाधारण निर्णय लिया वह युद्ध में जाएगा, लेकिन बिना हथियार उठाए। उसका विश्वास था कि जीवन देना उसका धर्म है, न कि लेना। साथियों ने उसका मजाक उड़ाया, उसे डरपोक कहा और अपमानित किया, लेकिन वह अडिग रहा। वह सैन्य डॉक्टर बना और जापान के भयंकर ओकिनावा युद्ध में तैनात हुआ। एक दिन जब गोलाबारी के बीच सभी सैनिक पीछे हट चुके थे, डॉस अकेला युद्धभूमि में रुका रहा और एक-एक कर 75 घायल सैनिकों को अपने कंधे पर उठाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। उसके पास न बंदूक थी, न ढाल सिर्फ संकल्प और मानवता का साहस। अद्वितीय योगदान के लिए डेसमंड डॉस को अमेरिका का सर्वोच्च सैन्य सम्मान 'मेडल ऑफ ऑनर' दिया गया। यह सम्मान पाने वाला वह पहला व्यक्ति था जिसने युद्ध में हथियार नहीं उठाए।

सामयिक

सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता का उत्सव

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने इस घोषणा को संगठन के सतत विकास के लिए चल रहे प्रयासों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला। इस घोषणा से वैश्विक स्तर पर समानतापूर्ण और लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में सहकारी समितियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है, खासकर जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों के सामने। सहकारिता पर ध्यान केंद्रित करके, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य टिकाऊ, समुदाय-केंद्रित समाधान प्रदान करने में मॉडल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करना है।

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों को रेखांकित करने और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान को सम्मानित करने का अवसर होता है। सहकारिता एक ऐसा आंदोलन है जो एकता में शक्ति' की भावना को मजबूत करता है और लोकतांत्रिक, समावेशी और न्यायसंगत आदर्श समाज के निर्माण में सहायक बनता है। सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता के इस उत्सव का 2025 की थीम है सहकारिता: एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान लाना।' यह थीम पर्यावरण-संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों को सहयोग के माध्यम से हल करने की प्रेरणा देती है। आज के समय में जब आर्थिक विषमता और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है, सहकारिता एक वैकल्पिक और मानवीय मॉडल प्रस्तुत करती है। यह न केवल आर्थिक विकास की राह दिखाती है, बल्कि सामाजिक विश्वास, सह-अस्तित्व और भाईचारे को भी बढ़ावा देती है।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त यह 29वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस और 101वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस होगा। यह सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है जो अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा 1923 से जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता है। इस उत्सव का उद्देश्य सहकारिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन के पूरक लक्ष्यों और उद्देश्यों को उजागर करना, संयुक्त राष्ट्र द्वारा संबोधित प्रमुख समस्याओं के समाधान में आंदोलन के योगदान को रेखांकित और विस्तारित करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। यह घोषणा 2012 में पहले सफल आयोजन के बाद की गई है और वैश्विक स्तर पर सतत विकास को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। दुनिया भर की सहकारी समितियां दिखाएंगी कि कैसे वे एकजुटता और लचीलेपन के साथ युद्ध, महामारी एवं प्राकृतिक आपदा संकट का सामना कर रही हैं और समुदायों को जन-केंद्रित और पर्यावरण की दृष्टि से न्यायसंगत पुनर्प्राप्ति की पेशकश कर रही हैं।

सहकारिता दिवस इस बात का प्रचार करने का अवसर है कि किस प्रकार मानव-केन्द्रित व्यवसाय मॉडल, जो स्वयं-सहायता और एकजुटता के सहकारी मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व और समुदाय के प्रति चिंता के नैतिक मूल्यों द्वारा समर्थित है, असमानता को कम कर सकता है, साझा समृद्धि का सृजन कर सकता है। सहकारी समितियां, जो आर्थिक सफलता को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए जानी जाती हैं, उन्हें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव सदस्य देशों को सहकारी समितियों के लिए एक सहायक कानूनी और नीतिगत माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें कृषि, वित्त और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके महत्व पर जोर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने इस घोषणा को संगठन के सतत विकास के लिए चल रहे प्रयासों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला। इस घोषणा से वैश्विक स्तर पर समानतापूर्ण और लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में सहकारी समितियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है, खासकर जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों के सामने। सहकारिता पर ध्यान केंद्रित करके, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य टिकाऊ, समुदाय-केंद्रित समाधान प्रदान करने में मॉडल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करना है।

सहकारिता, जिसे अंग्रेजी में कोआपरेटिव कहते हैं, एक ऐसा संगठन है जिसमें लोग स्वेच्छा से मिलकर काम करते हैं ताकि अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। यह एक लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित व्यवसाय है जहां सदस्य ही मालिक होते हैं और व्यवसाय का संचालन और लाभ का वितरण भी सदस्यों के बीच ही होता है। सहकारिता का अर्थ है, 'मिलजुल कर काम करना' या आपस में सहयोग करना'। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें लोग स्वेच्छा से एक साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि वे अपने सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें. सहकारिता का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग, समानता और सामूहिक हित को बढ़ावा देना है। इसका मूल मंत्र है सभी के लिए एक, और एक सभी के लिए।'

भारत में सहकारिता की भावना एवं विचारधारा आजादी से पहले से जन-जन में रची-बसी है। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुली मिली है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। सहकारिता भारत के संस्कार में है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। सहकारिता की जड़े 1904 के सहकारी ऋण समितियां अधिनियम से जुड़ी हैं। स्वतंत्रता के बाद यह आंदोलन और भी सशक्त हुआ। चाहे अमूल जैसी डेयरी सहकारी संस्थाएं हों या सहकारी बैंकों और किसान समितियां, उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब सहकारिता आंदोलन की सबसे अधिक जरूरत थी, तब यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहिकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को नये आयाम दिये हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। सभी राज्यों के सहकारिता मंत्री अपने-अपने राज्यों में कृषि मंत्रियों के साथ समन्वय कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि आम लोगों के साथ-साथ धरती माता का स्वास्थ्य भी बेहतर हो सके।

गरीब कल्याण और गरीब उत्थान, बिना सहकारिता के सोचा नहीं जा सकता। नरेन्द्र मोदी के मन की इच्छा है कि छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाना, सहकारिता की प्रक्रिया से हर घर को समृद्ध बनाना और हर परिवार की समृद्धि से देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार से समृद्धि का मंत्र है। देश पर जब-जब कोई विपदा आई है, सहकारिता आंदोलनों ने देश को बाहर निकाला है। कॉपरेटिव बैंक बिना मुनाफे की चिंता किए लोगों के लिए काम करते हैं क्योंकि, भारत के संस्कारों में सहकारिता है। आज देश में लगभग 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जहां छोटी-बड़ी कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। सहकारिता गरीबों और पिछड़ों के विकास के लिए है। राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम-(एनसीडीसी) और सहकारिता मंत्रालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र को संगठित और सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। भारत की सहकारिता सोच एवं मोदी सरकार की प्रतिबद्धताएं दुनिया के लिये एक प्रेरक मॉडल है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, एक ऐसा आंदोलन जो समाज को जोड़ने, ऊपर उठाने, संतुलित विकास और ग्रामीण जीवन को टिकाऊ बनाने की क्षमता रखता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि यदि हम साथ मिलकर कार्य करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। सहयोग ही सशक्तिकरण की कुंजी है।

नजरिया

आतंकवाद पर भारत को वैश्विक मौन स्वीकार्य नहीं

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक इस बार भारत की आक्रामक और स्पष्ट कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट साक्षी बनी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से जब यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उसमें आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है तो यह भारत का केवल एक औपचारिक विरोध नहीं था बल्कि भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं और कूटनीतिक दृढ़ता का स्पष्ट संकेत था। इस विरोध के जरिये उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल प्रतीकात्मक भाषणों और कूटनीतिक शिष्टाचारों से आगे बढ़ चुका है। भारत का संदेश दृढ़ है कि आतंकवाद को सामान्य नहीं माना जा सकता। भारत के इस फैसले को चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। भारत का यह कदम एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ खासकर उन देशों के लिए एक चेतावनी है, जो आतंकवाद को अपने रणनीतिक हितों के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस' की नीति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होती है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा तो है ही, चीन को भी यह स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने सुरक्षा हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

एससीओ की बैठक में राजनाथ सिंह द्वारा की गई टिप्पणी कि 'आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है' और 'जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं या उसे पनाह देते हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए', सीधे तौर पर पाकिस्तान की ओर संकेत था, हालांकि उन्होंने उसका नाम नहीं लिया। दक्षिण एशिया पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण ही दशकों से अस्थिरता और हिंसा से जूझ रहा है और अब भारत इस खतरे को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर और मुखरता से उजागर कर रहा है। भारत की इस बार की विशेष आपत्ति पहलगाम हमले को लेकर थी। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा की सहायक इकाई टीआरएफ' (द रेजिस्टेंस फ्रंट) द्वारा किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। यह हाल के वर्षों का सबसे भीषण आतंकी हमला था। भारत ने एससीओ के मसौदा दस्तावेज में इस हमले का उल्लेख नहीं किए जाने को गंभीर चूक नहीं बल्कि एक सोची-समझी रणनीति माना, जिसके पीछे पाकिस्तान को बचाने की कोशिश साफ दिखती है। भारत का यह रुख अचानक नहीं बना बल्कि यह उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत हर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की बात करता रहा है और दोहरे मानदंडों को उजागर करता रहा है। इससे पहले भी भारत ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल होने से इन्कार कर दिया था क्योंकि उसमें चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को शामिल किया गया था, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एससीओ की स्थापना 2001 में चीन, रूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और कजाखस्तान के साथ हुई थी। हालांकि इसकी जड़ें शंघाई फाइव' से जुड़ी हैं, जो 1996 में चीन, रूस तथा तीन मध्य एशियाई गणराज्यों द्वारा सीमा सुरक्षा विश्वास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक समूह है। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियान, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संवाद था परंतु बीते वर्षों में यह मंच धीरे-धीरे चीन और पाकिस्तान के राजनीतिक एजेंडे का उपकरण बनता गया है। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर इस संगठन की चुप्पी उसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगा रही है। इस बार के संयुक्त घोषणापत्र में बलूचिस्तान में कथित आतंकी घटनाओं का उल्लेख तो किया गया लेकिन पहलगाम जैसे जघन्य हमले को अनदेखा किया गया। भारत ने इसे पाकिस्तान के आरोपों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर वैधता देने की साजिश बताया। बलूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियां वहां के लोगों की आत्मनिर्णय की मांग से जुड़ी हैं, जिन्हें पाकिस्तान भारत-प्रायोजित आतंकवाद कहकर गुमराह करने की कोशिश करता है। चीन, जो सीपीईसी के माध्यम से बलूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है, पाकिस्तान के इन दावों का समर्थन करता रहा है। यही कारण है कि भारत को इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इन्कार करना पड़ा।

यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने एससीओ में ऐसा सख्त रुख अपनाया हो। बिश्केक (2019) और अस्ताना (2024) में भी भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं हो सकता। हालांकि उस समय भारत ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे परंतु इस बार की परिस्थिति अलग थी। इस बार एक ऐसा हमला हुआ था, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान गई और उसे एससीओ की बैठक में पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया। भारत का यह कड़ा रुख केवल एससीओ तक सीमित नहीं है। हाल ही में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। भारत का यह स्पष्ट संदेश था कि अब वह आतंकवाद के केंद्रों को उनकी सीमा में घुसकर खत्म करने से भी नहीं हिचकिचाएगा। यह संदेश भी चीन और पाकिस्तान के लिए था कि भारत अब केवल शब्दों में नहीं बल्कि कार्यों में भी आक्रामक कूटनीति अपना रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भी स्पष्ट किया कि विश्वास-निर्माण तभी संभव है, जब चीन एलएसी पर अतिक्रमण की अपनी नीतियों को छोड़े और भारत की सुरक्षा चिंताओं को गंभीरता से ले। दोनों पक्षों ने सैन्य हॉटलाइन बहाल करने पर विचार किया लेकिन भारत ने यह भी जता दिया कि यह केवल दिखावटी बातचीत नहीं होनी चाहिए। भारत के इस सख्त रुख का एक और आयाम है, बिना उलझाव के संरेखण की नीति। भारत न किसी गुट का हिस्सा बनना चाहता है, न किसी के हितों का औजार। वह केवल अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर बहुपक्षीय मंचों पर भाग लेता है और किसी भी ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करता, जो उसकी संप्रभुता, सुरक्षा या वैचारिक सिद्धांतों से टकराव रखता हो। यह नीति भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से परिपक्व राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में भी काम कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति में भारत लगातार मांग करता रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और टीआरएफ जैसे संगठनों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। चीन ने कई बार तकनीकी आपत्ति लगाकर इन प्रयासों को विफल किया है लेकिन भारत ने अपने प्रयासों को कभी धीमा नहीं किया। एससीओ की इस बार की बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत अब सामूहिक सहमति' की कीमत पर अपने राष्ट्रीय हितों' की बलि नहीं चढ़ाएगा। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को नाम लेकर नहीं लताड़ा जाएगा, तब तक कोई संयुक्त घोषणापत्र केवल कागज का एक टुकड़ा ही रहेगा। भारत के लिए यह रुख न केवल सम्मान का विषय है बल्कि वैश्विक मंचों पर उसकी विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाता है। आज भारत को वैश्विक मंचों पर सुना जा रहा है क्योंकि वह केवल बातें नहीं करता बल्कि अपने रुख पर अडिग भी रहता है। बहरहाल, अंततः, भारत ने एससीओ के मंच से जो सख्त संदेश दिया है, वह केवल पाकिस्तान या चीन के लिए नहीं बल्कि उन सभी देशों के लिए भी है, जो आतंकवाद पर मौन साधे रहते हैं या अपने आर्थिक, कूटनीतिक हितों के कारण उसे नजरअंदाज करते हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद अब केवल एक देश की समस्या नहीं है, यह वैश्विक मानवता के लिए खतरा है और इसके खिलाफ कूटनीतिक मंचों से लेकर वास्तविक जमीनी कार्रवाई तक निर्णायक लड़ाई लड़ी जानी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

केनरा बैंक ने वैश्विक कारोबार 25 लाख करोड़ पार

120वां स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक केनरा बैंक अपना 120 वां स्थापना दिवस मना रहा है, जिसमें ग्राहक-केंद्रित नवाचार और समावेशी बैंकिंग पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है। 1906 में स्थापित, बैंक एक मजबूत विरासत और विश्वास के साथ भारत के बैंकिंग क्षेत्र के अग्रदूतों में से एक के रूप में उभरा है। केनरा बैंक ने हाल ही में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सभी बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता को समाप्त करने की घोषणा की है। यह महत्वपूर्ण कदम यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक ग्राहक, चाहे उनकी वित्तीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो, न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने के बोझ के बिना बचत खाते तक पहुँच सकता है और उसे बनाए रख सकता है। अपनी महत्वपूर्ण वित्तीय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, केनरा बैंक का वैश्विक कारोबार 725 लाख करोड़ से अधिक है। केनरा बैंक द्वारा राष्ट्र को दी गई सेवा के 120 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर, केनरा बैंक के एमडी और सीईओ सत्यनारायण राजू ने कहा, मेरा दिल असीम कृतज्ञता से भर गया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों के अटूट विश्वास, हमारे हितधारकों की दृढ़ प्रतिबद्धता और पूरे देश में हमारे शुभचिंतकों के अटूट समर्थन का प्रमाण है। 1 जुलाई, 1906 को हमारी विनम्र शुरुआत से लेकर आज तक, देश भर में 9,800 से अधिक शाखाओं के साथ मजबूती से खड़े रहने तक, हमारी यात्रा को विश्वास, एकजुटता और परिवर्तन के मूल मूल्यों द्वारा परिभाषित किया गया है। ये मूल्य हमें प्रेरित करते रहते हैं क्योंकि हम उद्देश्य, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ आगे बढ़ते हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस ऐतिहासिक अवसर पर, मैं अपने प्रत्येक ग्राहक, हितधारक और शुभचिंतकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ और देश की सेवा ईमानदारी, समावेशिता और उत्कृष्टता के साथ करने की अपनी प्रतिज्ञा की पुष्टि करता हूँ। साथ मिलकर हमने बहुत कुछ हासिल किया है। और साथ मिलकर हम और भी बहुत कुछ हासिल करेंगे।

केनरा बैंक अपनी 120वीं वर्षगांठ मना रहा है, इसलिए यह अभिनव, समावेशी और ग्राहक-अनुकूल बैंकिंग समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है। कैनरा ट्रूएज सुइट सहित बैंक की नवीनतम पहल, संस्थागत ग्राहकों के लिए अनुरूप डिजिटल बैंकिंग और बीमा लाभ प्रदान करती है, जबकि कैनरा एस्पायर एक शून्य-शेष, युवा-केंद्रित बचत खाता प्रदान करता है जिसमें विशेष शैक्षिक और बीमा लाभ होते हैं, जो एक साथ हम कर सकते हैं के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

केरल में अटका ब्रिटिश लड़ाकू विमान राज्य के पर्यटन को दे रहा बढ़ावा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। पिछले महीने ब्रिटिश रॉयल नेवी एफ-35बी लाइटनिंग लड़ाकू विमान के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतरने के बाद, केरल पर्यटन के लिए यह अप्रत्याशित रूप से एक उपहार बन गया है। यह विमान, ब्रिटेन के सबसे उन्नत 'स्टील्थ' बेड़े का हिस्सा है, जो अपनी मरम्मत का इंतजार कर रहा है।

हालांकि अब, पर्यटन का प्रचार करने के लिए इसकी तस्वीरों का उपयोग किया जा रहा है। केरल पर्यटन द्वारा अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया गया एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें इस लड़ाकू विमान को नारियल के पेड़ों और हरी-भरी पृष्ठभूमि के साथ दिखाया गया है। एक मजेदार शीर्षक में लिखा हुआ है, ''केरल एक अद्भुत जगह है, मैं इसे छोड़ कर नहीं जाना चाहता। निश्चित रूप से यहां आने को कहूंगा।'' इस उद्धरण को मजाकिया अंदाज में ''यूके एफ-35बी'' के लिए लिखा गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर चर्चा सिर्फ एक पोस्टर तक ही सीमित नहीं है। 'एक्स' पर व्यापक रूप से साझा की गई पोस्ट में, सुमोना चक्रवर्ती नाम के उपयोगकर्ता ने मजाकिया अंदाज में लिखा है, ''अब यह नारियल तेल के बिना चालू नहीं होगा।' केरल में भोजन बनाने में व्यापक रूप से नारियल तेल का इस्तेमाल किया जाता है। व्यक्ति ने अपना स्वयं का पोस्टर बनाया, जिसमें लड़ाकू विमान को सड़क किनारे चाय की दुकान के बाहर खड़ा दिखाया है-केले के चिप्स का आनंद ले रहा और शीर्षक में लिखा है, ''इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यह अब जाने से इनकार कर रहा है।

शुभारंभ

बेंगलूरु के यलहंका क्षेत्र में बुधवार को भारत में त्वचा विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले क्लीनिकों की सबसे भरोसेमंद श्रृंखला 'काया' ने 12वें क्लिनिक का उदघाटन कन्नड़ फिल्म स्टार सप्तमी गौड़ा ने किया। इस मौके पर काया के मार्केटिंग प्रमुख निशांत नैयर एवं कम्पनी के वरिष्ठजन उपस्थित थे।

आज विदेशों में भी लोग भारत के डिजिटल नेतृत्व के बारे में बातें करते हैं : डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी

आईएमसी ने बेंगलूरु में रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) ने मंगलवार को बेंगलूरु में रोड शो निकाला। दूरसंचार विभाग (डीओटी) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित 'आईएमसी 2025' ने महत्त्वपूर्ण लॉन्चपैड के रूप में बेंगलूरु पर ध्यान केंद्रित किया है, जो शहर के मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम और तकनीकी उन्नति में नेतृत्व को दर्शाता है। इस साल आईएमसी अपने प्रमुख एस्पायर कार्यक्रम के जरिए स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को सशक्त बनाने पर खास जोर दे रहा है, जो 500 से ज्यादा स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, लाइव पिचिंग और नेटवर्किंग के लिए निवेशकों, इनक्यूबेटर्स और ग्लोबल साझेदारों से जोड़ेगा।

आईएमसी 2025 रोड शो में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सचिव डॉ. नीरज मित्तल, सीओएआई के अध्यक्ष अभिजीत किशोर ने विचार व्यक्त किए, जिससे इस आयोजन और भारत के डिजिटल नेतृत्व के लिए प्रेरणा मिली। डॉ. पेम्मासानी ने कहा, '40,000 अतिरिक्त ग्राम पंचायतों और 1.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ने के लिए 18 बिलियन डॉलर का और निवेश कर रहे हैं।

'मेड फॉर इंडिया' से मेड बाय इंडिया' की ओर बदलाव आ रहा है। जापान, थाईलैंड और आसियान देशों में भी लोग भारत के डिजिटल नेतृत्व और आईएमसी जैसे आयोजनों के बारे में बातें करते हैं।'

कंगना ने की 'तन्वी द ग्रेट' के ट्रेलर की तारीफ, बोलीं- 'फिल्म का बेसब्री से इंतजार'

मुंबई/एजेन्सी

अनुपम खेर के निर्देशन में तैयार फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का ट्रेलर सोमवार को जारी हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर की एक्टर शाहरुख खान-अनिल कपूर ने तारीफ की और इसे शानदार बताया। मंगलवार को एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। कंगना ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर ट्रेलर को पोस्ट कर फिल्म देखने की उत्सुकता जताई। उन्होंने लिखा, अनुपम खेर और 'तन्वी द ग्रेट' की पूरी टीम को बधाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया, फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा, मेरे दोस्त अनुपम खेर, हमेशा से चांस लेते आए हैं, चाहे सवाल एक्टिंग-फिल्म मेकिंग हो या फिर लाइफ का, वह चुनौतियों को स्वीकार करते हैं। 'तन्वी- द ग्रेट' का ट्रेलर शानदार है, फिल्म के लिए मेरी ढेरों शुभकामनाएं। अनिल कपूर ने 'तन्वी- द ग्रेट' का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, कुछ कहानियां पर्दे से हटने के बाद भी हमसे जुड़ी रहती हैं, 'तन्वी- द ग्रेट' उनमें से एक बनने वाली है, अभी जाकर ट्रेलर देखो, यह दिल को छूने वाली कहानी है, जो अंदर से प्रेरित करती है। 'तन्वी- द ग्रेट' का ट्रेलर के साथ मेरी शुभकामनाएं।

30 जून को 'तन्वी द ग्रेट' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर में 'तन्वी' नाम की एक ऐसी लड़की की कहानी की झलक दिखाई गई, जो अपने मजबूत और दृढ़ निश्चय के कारण खास मुकाम पाती है। 'तन्वी द ग्रेट' का संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने तैयार किया है और अनुपम खेर स्टूडियोज और एनएफडीसी के साथ मिलकर बनाई गई है।

भारतनेट प्रोजेक्ट : आईटीआई लि. ने बीएसएनएल के साथ 1901 करोड़ का समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने हाल में भारतनेट फेज-3 प्रोजेक्ट के एनईआर-2 पैकेज-15 के लिए यूएसओएफ की ओर से बीएसएनएल के साथ परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध का कुल मूल्य पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) और परिचालन व्यय (ओपेक्स) सहित 1901 करोड़ रुपए है। ऑर्डर मूल्य में 1168 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय, नवनिर्मित नेटवर्क के लिए 700.84 करोड़ रुपए परिचालन व्यय तथा मौजूदा नेटवर्क के रखरखाव के लिए 32.21 करोड़ रुपए परिचालन व्यय शामिल है। आईटीआई लि. ने हिमाचल प्रदेश में पैकेज संख्या 8 के लिए तथा पश्चिम बंगाल और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में पैकेज संख्या 9 के लिए बीएसएनएल के साथ 5055 करोड़ रुपए के समेकित ऑर्डर मूल्य के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही आईटीआई लि. ने बीएसएनएल के साथ तीन पैकेजों (8,9 और 15) के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे कुल ऑर्डर मूल्य 6956 करोड़ रुपए हो गया है। नवंबर 2024 में, आईटीआई लि. अपने कंसोर्टियम पार्टनर के साथ अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर राज्यों को शामिल करते हुए भारतनेट फेज-3 प्रोजेक्ट के पैकेज नं. 15 के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली (एल1) के रूप में उभरी थी।

भारतनेट फेज-3 प्रोजेक्ट को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 16 पैकेजों में विभाजित किया गया है। बीएसएनएल ने भारतनेट चरण-3 प्रोजेक्ट के मिडल माइल नेटवर्क के लिए डिजाइन, बिल्ड, ऑपरेट और मेंटिनेंस (डीबीओएम) मॉडल पर निविदाएं आमंत्रित की थीं।

आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम भारतनेट फेज-3 प्रोजेक्ट के एक और पैकेज के निष्पादन के लिए यूएसओएफ की ओर से बीएसएनएल के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करके बहुत खुश हैं। यह वास्तव में एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट है और मैं आईटीआई पर एक बार फिर से विश्वास जताने के लिए बीएसएनएल का आभारी हूं। मेरी टीम पूरी तरह तैयार है और हम अपने क्लाइंट की पूर्ण संतुष्टि के लिए इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।'

मैं डरावनी फिल्मों की शौकीन नहीं हूं: काजोल

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह डरावनी फिल्मों की प्रशंसक नहीं हैं और वह केवल व्यावसायिक कारणों से इस शैली में अपनी पहली फिल्म मां देखेंगी।

विशाल फुरिया निर्देशित मां काजोल के 30 साल से अधिक के करियर की पहली 'हॉरर' फिल्म है। यह फिल्म 2023 की फिल्म शैतान से मिलती-जुलती है, जिसमें उनके पति और अभिनेता अजय देवगन भी थे। अभिनेत्री (50) ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं डरावनी फिल्में नहीं देखती। मैंने कई बड़ी फिल्में देखी हैं। मैं डरावनी फिल्मों की बिल्कुल भी शौकीन नहीं हूं। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक 'मां' नहीं देखी है। केवल कुछ हिस्सों में मेरे पीछे बहुत सारी हरी स्क्रीन लगी हुई हैं ताकि मैं डर न जाऊं और कोई पृष्ठभूमि संगीत या ऐसा कुछ भी नहीं है। (लेकिन) पेशेवर कारणों से मुझे वास्तव में यह फिल्म देखनी है। एक अभिनेत्री के रूप में, काजोल ने शुरू में यह मान लिया था कि डरावनी फिल्म में काम करना किसी भी अन्य शैली से अलग नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव था, वास्तव में, ऐसा कुछ नहीं था जो मैंने पहले किया था।

मैंने यह मान लिया था कि डरावनी फिल्मों में काम करना किसी भी अन्य फिल्म में काम करने जैसा ही है और मैं पूरी तरह से गलत थी। उन्होंने कहा कि अभिनय के लिहाज से डरावनी फिल्में आम फिल्मों से पूरी तरह अलग होती हैं।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान घायल हुईं अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। एक्शन-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नाक पर गंभीर चोट लगी है। 'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने बताया कि यह चोट एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अदा इस फिल्म में जोरदार एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। यह हादसा एक स्टंट रिहर्सल के दौरान हुआ। 'कमांडो 2' और 'कमांडो 3' में अपने शानदार एक्शन के बाद, अदा इस नई फिल्म में एक्शन का स्तर और ऊंचा करने वाली हैं। चोट के बावजूद, अदा ने अपने जज्बे को बनाए रखा और कहा, दर्द अस्थायी है, लेकिन सिनेमा हमेशा चलता रहेगा। अब मैं एक एक्शन हीरोइन जैसी दिखती हूं।

अमरनाथ तीर्थयात्री बुधवार को बालटाल में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के पहले चरण की शुरुआत से पहले बालटाल बेस कैंप पहुँचे।

भूमि पेडनेकर ने यूएनडीपी इंडिया के सतत विकास लक्ष्यों के प्रयासों की सराहना की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए यूएनडीपी इंडिया (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) के प्रयासों की सराहना की। भूमि ने इस पहल को सभी को एक साथ लेकर चलने और टिकाऊ भविष्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। भूमि यूएनडीपी इंडिया की एसडीजी की नेशनल एडवोकेट हैं। उन्होंने कहा, यह एक बड़ा और बदलाव लाने वाला मौका है। आज के युवा जागरूक हैं, जोश से भरे हुए हैं और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। इस साझेदारी के जरिए हम ऐसा मंच बना रहे हैं, जहां युवा अपनी सोच और ऊर्जा से बड़े स्तर पर बदलाव ला सकें। यूएनडीपी इंडिया ने कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एक साझेदारी की है। इसका मकसद जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता, गरीबी और सबका विकास जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर युवाओं को जागरूक और प्रेरित करना है।

यूएनडीपी इंडिया की प्रतिनिधि, डॉ. एंजेला लुसिगी ने इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा, यह साझेदारी युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, ताकि वह बदलाव लाने में सहायक बन सकें। भारत में युवा सिर्फ बदलाव की बात नहीं कर रहे, वह खुद बदलाव की अगुवाई कर रहे हैं। चाहे जलवायु की रक्षा की बात हो या फिर लैंगिक समानता की, युवा हर मोर्चे पर आगे हैं। अब कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के साथ मिलकर हम इन कोशिशों को ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकते हैं, ताकि शहरों से लेकर गांवों तक युवा प्रेरित हो सकें।

यूएनडीपी इंडिया और कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क ने एक डिजिटल डॉक्यूमेंट्री सीरीज तैयार की थी, जिसे भारत की सबसे बड़ी स्टूडेंट कम्युनिटी में से एक 'अंडर 25' नाम की संस्था के साथ मिलकर बनाया गया था। इस डॉक्यूमेंट्री में युवाओं की प्रेरणादायक कहानियां दिखाई गईं कि कैसे वे बदलाव ला रहे हैं। यह सीरीज तीन हिस्सों में थी। इस वीडियो सीरीज में एक्ट्रेस और यूएनडीपी इंडिया की यूथ चैंपियन, संजना सांघी ने भी अपना समर्थन जताया था। साझेदारी का मकसद ओटीटी प्लेटफॉर्म, फिल्ममेकर, ब्रांड्स और फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के साथ मिलकर ऐसे कैंपेन और इवेंट्स चलाना है, जो लोगों को सतत विकास लक्ष्यों के बारे में जागरूक करें।

पायल घोष ने बताया श्रीदेवी की कॉस्मेटिक सर्जरी का सच, शेफाली जरीवाला के निधन पर जताया दुख

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला के दुखद निधन के बाद, एक्ट्रेस पायल घोष ने दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बताया। श्रीदेवी के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए पायल ने बताया कि श्रीदेवी अपनी बढ़ती उम्र को लेकर बहुत चिंतित रहती थीं। इसके लिए उन्होंने कुछ कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई थी। पायल ने कहा, ''साल 2017 की बात है जब मैं उनसे ओशिवारा में एक क्लिनिक पर मिली थी। हमारी बातचीत बस दो मिनट की थी। मैं हमेशा उनकी खूबसूरती और अंदाज की प्रशंसक रही हूं, इसलिए मैंने उनसे उनकी खूबसूरती का राज पूछा। मुझे हैरानी हुई जब उन्होंने कहा कि वह उम्र बढ़ने के डर से कॉस्मेटिक सर्जरी कराती हैं। इतना ही नहीं,

उन्होंने यह भी बताया कि वजन बनाए रखने और फिट दिखने के लिए वह खुद को भूखा रखती थीं।''

पायल घोष ने कहा, ''श्रीदेवी से उस बात के बाद उनका सोचने का तरीका बदल गया। उस बातचीत का मेरे जीवन पर बड़ा असर पड़ा। उसी वक्त मैंने अपने सभी स्किन ट्रीटमेंट्स को बंद करने का फैसला किया। मैं नहीं चाहती थी कि मेरी जिंदगी भी ऐसी हो।'' पायल ने बोटॉक्स और फिलर्स जैसे स्किन ट्रीटमेंट्स के इस्तेमाल की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये ट्रीटमेंट्स एक्टर्स की सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पहले श्रीदेवी जी ने ये किया था और अब शेफाली जरीवाला की मौत एक बहुत ही दुखद और चौंकाने वाला उदाहरण है कि कैसे एक्टर्स बोटॉक्स, फिलर्स और इस तरह के ट्रीटमेंट्स के चलते अपनी जिंदगी जल्दी गवां रहे हैं। यह दुखद और अफसोसजनक भी है। ये ट्रीटमेंट्स एक्टर्स की जान ले रहे हैं। मुझे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 03-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

ज्ञान का खजाना पाने का मौका है चातुर्मास : आचार्य हीरचंद्रसूरीश्वर

किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में शासन प्रभावक आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी महाराज एवं साध्वी पुण्यनिधि म.सा. का आत्मशोध चातुर्मास प्रवेश बुधवार सुबह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री कुलबोधिश्वरजी महाराज एवं आचार्यश्री युगोदयप्रभविजयजी महाराज के शिष्य मुनि त्यागीप्रभविजयजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर किलपॉक स्थित वेडेल्स रोड़ से वरघोड़ा निकाला गया, जो प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए रंगनाथन स्ट्रीट स्थित एससी शाह भवन पहुंचा। वहां संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्यश्री की अगवानी की। धर्मसभा में महावीर भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

संघ ट्रस्ट के चेयरमैन शांतिलाल जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि आज संघ में बड़े उत्सव का दिन है। आचार्य भगवंत ने सहज भाव से चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की। अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल ने चातुर्मास में होने वाले विशेष कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघ के नूतन भवन का निर्माण कार्य गतिमान है। सचिव मुकेश शाह ने सबसे चातुर्मास के दौरान धर्म प्रभावना का लाभ लेने का आग्रह किया।

आचार्यश्री कुलबोधिश्वरजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिनशासन में हमारा जन्म हुआ, यह परम सौभाग्य की बात है। जिनशासन में दो परंपरा रही है। पहले हमें श्रमण परंपरा प्राप्त हुई। दूसरी श्रवण परंपरा है, जो 2600 सालों से अविरत चल रही है। दुनिया के कोई धर्म में यह परंपरा नहीं है। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि चातुर्मास में ज्ञान की गंगा बहानी है। ज्ञान का मार्ग सबसे बड़ा मार्ग है। यह मोक्ष मार्ग का एक स्रोत है। उन्होंने कहा ऐसा नहीं है कि हममें दोष है लेकिन हममें ज्ञान का अभाव है। ज्ञान बढाने के लिए वाचना श्रवण महत्वपूर्ण है।

ज्ञान का खजाना पाने का मौका है चातुर्मास। पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने कहा कि संघ को सद्गुरु का संयोग मिला है। एक बार ज्ञान मिल जाए तो वह जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने में सक्षम होता है। इस दौरान आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी के सहपाठी कल्याण मित्र परिवार द्वारा गुरुपूजन हुआ और कमलाबाई प्रकाशचंद ओस्तवाल परिवार की ओर से कांबली अर्पित की गई।

इस मौके पर संघ ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र साकरिया, पदमचंद चौधरी, पूर्व सचिव नरेन्द्र श्रीश्रीमाल, वरघोड़ा संयोजक व सहसचिव भरत संघवी, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, किशोर संघवी, प्रवीण जैन, भेरुलाल कोठारी, ललित संघवी समेत कई गणमान्य उपस्थित थे। इस दौरान मुनिसुव्रत युवा मोटिव मंडल व किलपॉक महिला मंडल का सहयोग रहा। कार्यक्रम में संगीत की प्रस्तुति आयुष जैन ने दी। संचालन बिपिन सतावत ने किया।

विश्वास सबसे बड़ा धन है वह अनमोल है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के केएलपी श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ में राष्ट्रसंत कमल मुनिजी 'कमलेश' ने प्रवचन में कहा कि हिंसा करने वाले को पापी कहलाता है, परंतु किसी के साथ किए गए विश्वास को तोड़कर विश्वास घात करना महा पापी के रूप में माना जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वास बनाए रखने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार होता है, वह सच्चा धार्मिक बनता है। किसी को धोखा देना उसका विश्वास तोड़ना, उसकी पीठ में छुरा भोकने के समान है। वह हमेशा के लिए जनता की निगाहों से गिर जाता है।

मुनि कमलेश ने बताया कि जिसने विश्वास खो दिया वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। ऐसे व्यक्ति को किसी भी धर्म में प्रवेश नहीं है, धार्मिक कहलाने का अधिकार भी नहीं है। संत ने कहा कि विश्वास सबसे बड़ा धर्म, पूजा, उपासना ,और भगवान है। खोया हुआ धन वापस प्राप्त किया जा सकता है परंतु खोया हुआ विश्वास वापस प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

जैन संत ने कहा कि विश्वास सबसे बड़ी धन और संपत्ति है, जो कभी समाप्त नहीं होती, विश्वास निभाने वाला दुर्गति में नहीं जाता है ,विश्वास तोड़ने वाला धार्मिक कहलने वाला भी दुर्गति में जाता है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर बेंगलूरु के मार्गदर्शक कल्याण सिंह बुरड, अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी, उपाध्यक्ष हुक्मीचंद बाफना, उपाध्यक्ष मंत्री सुरेश धोका, नेमीचंद मांगीलाल बोहरा, सुनील बोहरा, महावीर बुभकिया आदि प्रतिनिधि मंडल 2026 का चातुर्मास की विनती लेकर राष्ट्रसंत की सेवा में उपस्थित हुआ।

कोयम्बटूर में साध्वी क्षमाशीलाश्री का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित सुपार्श्वनाथ मंदिर में बुधवार को आचार्यश्री हेमेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के समुदायवर्तिनी, आचार्यश्री जयानंदसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री क्षमाशीलाश्रीजी म. सा. का चातुर्मास प्रवेश हुआ।

बुधवार को सुबह राजेन्द्रसूरी गुरु मंदिर से बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकली। इसमें सुपार्श्वनाथजैन सेवा मंडल का 34 सदस्यों वाला म्युजिक बैंड स्वरों की सुन्दर छटा बिखेर रहा था। वहीं महिला चुनरी की साड़ी में पुरुष राजस्थानी पहनावे और साफे में नजर आ रहे थे। अरिहंत भवन के बाहर सम्या हुआ। मंदिर पहुंचकर शोभायात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता ने किया।

साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में सभी को चातुर्मास में अधिक से अधिक आध्यात्मिक लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज ऐतिहासिक प्रवेश हुआ है।

इस अवसर पर पूरे जैन समाज और मंदिर के ट्रस्टीगण को आभार और चातुर्मास का पूर्ण लाभ उठावें। आने वाले चार महीने के दौरान क्या क्या कर्तव्य और धर्म कार्य करना उसकी उन्होंने विस्तृत जानकारी दी।

राकेश मुनि का 6 जुलाई को चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संपूर्ण भारतवर्ष में व्हाइट गोल्ड के नाम से प्रसिद्ध राजस्थान गांव इन्दावड़ में इस बार जैन संत पंडित रत्न राकेश मुनि म.सा. चातुर्मास करेंगे। श्री एस एस जैन स्थानक भवन में होने वाला चातुर्मास 10 जुलाई से 5 नवंबर तक चलेगा।

इस दौरान प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन, सत्संग, धर्मचर्चा, प्रतिक्रमण आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एस एस एस जैन संघ इन्दावड़ (चेन्नई) ने राकेश मुनि के चातुर्मास की तैयारियां शुरु कर दी। जैन संघ के अध्यक्ष महावीरचंद सिसोदिया ने बताया कि चातुर्मास के लिए पंडित रत्न राकेश मुनि म.सा. 6 जुलाई को जैन स्थानक में मंगल प्रवेश करेंगे। इसके साथ उनका चार माह का चातुर्मास आरंभ होगा। 6 जुलाई को मंगल प्रवेश मरुधर केसरी गौशाला से बैंड बाजे के साथ सुबह 10:15 बजे प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए जैन स्थानक में मंगल प्रवेश करेंगे।इ स दौरान चेन्नई, बेंगलूरु, मुंबई, जोधपुर, मेड़ता, नागौर, किशनगढ़, अजमेर आदि महानगरों से दर्शनार्थी पहुंचेंगे। चातुर्मास प्रवेश की तैयारी में कार्याध्यक्ष राजमल सिसोदिया, महामंत्री मंगलचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष अनिल सिसोदिया, उपाध्यक्ष आर. मुकेश सिसोदिया,संगठन मंत्री शांतिलाल सिसोदिया, सहमंत्री कांतिलाल सिसोदिया, एवं उगमराज, गौतमचंद, रूपचंद, बाबूलाल, महावीरचंद, अशोक कुमार सिसोदिया, राजेशकुमार, सुरेशकुमार कोठारी इस चातुर्मास को सफल बनाने के लिए समर्पण भाव के साथ लगे हुए है।

मुनि हिमांशु कुमार और हेमन्तकुमार का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। बुधवार को मदुरै में आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमारजी एवं मुनिश्री हेमंत कुमारजी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश अपार श्रद्धा, भावनाओं और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। अनुशासन रैली श्रीसंघ के साथ निकलकर तेरापंथ भवन पहुंची। मुनिद्वय ने जयकारों के साथ भवन में प्रवेश किया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा ने सभा एवं समाज की ओर से समस्त श्रद्धालुओं व अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। मीडिया प्रभारी अशोक जीरावला ने चातुर्मास हेतु वर्षों से की जा रही प्रार्थना व प्रयासों के बारे में अपने विचार रखे। तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश कोठारी ने गुरुदेव आचार्यश्री के समक्ष पुनः अर्ज की प्रक्रिया को आत्मीयता के साथ प्रस्तुत किया।

मुनिश्री ने कहा कि हमें चातुर्मास के लिए स्पष्ट लक्ष्य बनाना होगा। अधिकाधिक ज्ञान, तप और साधना द्वारा आत्मकल्याण की दिशा में बढ़ना है। दिलदार बनकर अधिकतम धर्मलाभ लेने का प्रयास करें। चातुर्मास में सभी उत्साहपूर्वक जुड़ें और आत्मिक विकास की ओर अग्रसर हों।

कांग्रेस ने संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता पाकिस्तान को मिलने पर मोदी सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार पर पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होने से रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया और इसे भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका बताया। पाकिस्तान ने मंगलवार को कहा कि उसने जुलाई के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता संभाली है। विश्व निकाय के प्रमुख केंद्र सुरक्षा परिषद की यह अध्यक्षता, यूएनएससी के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान के दो साल के कार्यकाल का हिस्सा है। पाकिस्तान की यह अस्थायी सदस्यता जनवरी 2025 में शुरू हुई। इसके अतिरिक्त पाकिस्तान, तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा तथा संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद रोधी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां पत्रकारों से कहा, ''आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब वैश्विक सुरक्षा का ठेकेदार बना दिया गया है। अब शैतान ही कुर्सी पर बैठा है।'' उन्होंने कहा कि ''पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जिसका आतंकवादियों को शरण देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में आतंक फैलाने का सिद्ध इतिहास है'' और ''ऐसे में उसे वैश्विक नेतृत्व की भूमिकाएं दी जा रही हैं, जबकि भारत आज भी उसके प्रायोजित आतंकवादी हमलों का सामना कर रहा है।''

सुरजेवाला ने मोदी सरकार की ''चुप्पी और निष्क्रियता'' पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया, यह पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के कुछ ही सप्ताह बाद हुआ है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा विदेश नीति पर सभी दिखावटी वादों के ''बावजूद'' पाकिस्तान को यह पद मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों नेता इस परिणाम को रोकने के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने में विफल रहे।

सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान ने चार जून 2025 को संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी समिति के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली, जबकि वह बार-बार आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों का उल्लंघन करता रहा है। उन्होंने पूछा, ''प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना की कि जब चीन के कथित समर्थन से पाकिस्तान ने इसी आतंकवाद-रोधी समिति में भारत विरोधी आतंकवादी अब्दुल रऊफ को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के भारत के प्रस्ताव को अवरुद्ध कर दिया था, तब सरकार ने कोई विरोध नहीं किया था।

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का उदघाटन 6 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट व आराधना केन्द्र के तत्वावधान में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी की प्रेरणा से इटा अपार्टमेन्ट के पास केपी अग्रहारा में नवनिर्मित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के उद्घाटन के मौके पर त्रिदिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 4 जुलाई से प्रारंभ होगा। शुक्रवार को सुबह 7 बजे भरत चक्रवर्ती भोजन मंडप का उदघाटन, तत्पश्चात गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नगरी का उद्घाटन और आधार स्तंभ लाभार्थी परिवार का सम्मान किया जाएगा। शनिवार को सुबह को ट्रस्टी परिवारों का सम्मान, दोपहर में मेहंदी एवं धार्मिक नाटिका होगी। रविवार को सुबह 9 बजे गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का उदघाटन होगा, साथ ही अतिथि कक्ष लाभार्थी एवं अन्य लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया जाएगा। उद्घाटन के मौके फलेचुंदड़ी का आयोजन भी किया गया है। शाम को भक्ति संध्या में गायक वैभव बागमार प्रस्तुति देंगे। सोमवार को सुबह उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी का चातुर्मास प्रवेश, ध्वजारोहण व संतों का प्रवचन होगा। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के चारों दिन तीनों समय की नवकारशी एवं भक्ति का आयोजन किया गया है। भवन के मुख्य लाभार्थी अशोककुमार-महेन्द्रकुमार रांका परिवार, भूमिपूजन व शिलान्यास के लाभार्थी घेवरचन्द मीठालाल दीपचन्द भंसाली परिवार, भवन उद्घाटन लाभार्थी पारसमल शांतिलाल सुरेन्द्रकुमार सालेचा परिवार, मुख्य प्रवचन हॉल के लाभार्थी उत्तमचन्द प्रकाशचन्द पदमराज रातड़िया परिवार, रांका रिसेप्शन हॉल के लाभार्थी बाबूलाल रांका व अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार, श्रमण श्रमणी पुष्प जवाहर ब्लॉक के लाभार्थी दिलीपकुमार वंसतकुमार गणधर चौपड़ा परिवार, वृहत बहुउपयोगी डॉयनिंग हॉल के लाभार्थी वगतावरमल माणकचन्द पारेख परिवार तथा फलेचुन्दड़ी के लाभार्थी पंचकेसरी बड़ेरा परिवार वाले हैं।

।। नमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स ।।
।। जय गुरु हस्ती -हीरा।। ।। जय आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव।। जय मरुधर केसरी-रूप-सुकन ।।

भावभरा आत्मीय आमंत्रण

गोपालपुरम-चेन्नई तमिलनाडु की
पावन धरा पर छाजेड़ भवन में
क्रांतिकारी प्रवचनकार प्रखर वक्ता पूज्य
पूज्य गुरुदेवश्री
कपिल मुनि जी म.सा. का

चातुर्मासार्थ
भव्य मंगल प्रवेश
शुभ दिन : 4 जुलाई 2025
शुक्रवार, प्रातः 8.30 बजे

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश कार्यक्रम :
लॉयड्स रोड, गोपालपुरम स्थित
श्री अमरचंदजी छाजेड़ के
निवास स्थान से पूज्य गुरुदेव का
भव्य शोभा यात्रा के रूप में प्रस्थान
(नोट : प्रवेश के पूर्व प्रातः 7.30 बजे से
अमरचंद जी अशोक जी छाजेड़ के निवास
पर अल्पाहार की व्यवस्था रखी गयी है
कृपया संघ को अनुगृहित करावें।)

चातुर्मास स्थल : छाजेड़ भवन गोपालपुरम-चेन्नई

पूज्य गुरुदेव श्री के चातुर्मासार्थ मंगल प्रवेश
के पावन प्रसंग पर सभी धर्मप्रेमी महानुभाव
सपरिवार-ससंघ पधारकर जिनशासन की शोभा बढ़ाएं ।

निवेदक: श्री जैन संघ,गोपालपुरम-चेन्नई

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.